HINDI

कोविड–19 के कारण लॉकडाउन (बन्दी) अवधि के दौरान किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए दिशानिर्देश

भारत सरकार के दिशा–निर्देश*

निम्नलिखित कृषि और संबद्ध गतिविधियों को लॉकडाउन (बन्दी) की अवधि के दौरान छूट दी गयी है:

- पशु चिकित्सा अस्पताल।
- एमएसपी परिचालनों सहित कृषि उत्पादों की खरीद हेतु उत्तरदायी समस्त अभिकरण।
- जिन मंडियों का संचालन कृषि उपज मंडी समिति द्वारा किया जाता है या राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाता है।
- किसानों और खेत श्रमिकों द्वारा खेती का कार्य।
- फार्म मशीनरी से संबंधित कस्टम हायरिंग सेंटर (CHC)।
- उर्वरक, कीटनाशक और बीज के विकास और पैकेजिंग में कार्यरत इकाईयाँ।
- कम्बाइन हार्वेस्टर और कृषि/बागवानी उपकरणों की कटाई और बुवाई संबंधित मशीनों की अंतर–राज्य आवाजाही।

इन छूटों से कृषि और खेती से संबंधित गतिविधियों को बिना किसी असुविधा के सुनिश्चित किया जा सकेगा ताकि आवश्यक आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और किसानों को लॉकडाउन (बन्दी) के दौरान किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। लॉकडाउन (बन्दी) के दौरान कार्यान्वयन के लिए संबंधित मंत्रालयों/राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं।

*(गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार नंबर 2440–3/2020–डीएम–आई(ए) दिनांक 24, 25 और 27 मार्च, 2020)

भारत सरकार के नीति–निर्देशों के आधार पर कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित गतिविधियों को जारी रखने के लिए राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा कार्यान्वयन हेतु दिशानिर्देश जारी कर दिये गये है।

किसान भाईयों के लिए सलाह

1. फसलों की कटाई एवं मड़ाई से संबंधित

देश में कोविड–19 वाइरस के फैलने के खतरे के साथ रबी फसलें भी तेजी से पकने की ओर अग्रसर है। इन फसलों की कटाई एवं उनके बाजार तक पहुँचाने का काम वांछनीय है क्योंकि कृषि कार्य में समय की बाध्यता अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः किसानों को सावधानी एवं

सुरक्षा का पालन करना बहुत ही जरूरी है ताकि इससे महामारी का फैलाव ना हो सके। ऐसी स्थिति में साधारण एवं सरल उपाय जैसे सामाजिक दूरी का निर्वाहण, साबुन से हाथों को साफ करते रहना, चेहरे पर मास्क लगाना, सुरक्षा हेतु कपड़े पहनना एवं कृषि संयंत्रों एवं उपकरणो की सफाई करना अत्यंत आवश्यक है। किसानो को खेती के प्रत्येक कार्यो के दौरान एक दूसरे से सामाजिक दूरी बरकरार रखते हुए काम करना आवश्यक है।

निम्नलिखित कुछ सलाह किसानों के लिए अति–उपयोगी है।

- भारत के उत्तरी प्रांतों में गेहूं पकने की स्थिति में आ रही है। अतः इनकी कटाई के लिए कम्बाइन कटाई मशीन का उपयोग एवं प्रदेशों के अन्दर तथा दो प्रदेशों के बीच इनका आवागमन भारत सरकार के द्वारा आदेश प्रदान किया गया है। हालॉकि इस दौरान मशीनों के रखरखाव एवं फसल कटाई में लगे श्रमिकों की सावधानी एवं सुरक्षा सुनिशिचित करना आवश्यक है।
- इसी प्रकार उत्तर भारत की सरसों रबी की महत्वपूर्ण फसल है जिसकी किसानों द्वारा हाथ से कटाई एंव कटी फसलों की मड़ाई का कार्य जोरों से चल रहा है।
- मसूर, मक्का और मिर्ची जैसे फसलों की भी कटाई एवं तुड़ाई चल रही है तथा चने की फसल पकने की स्थिति में आ रही है।
- गन्ने की कटाई जोरों पर है तथा उत्तर भारत में इसकी रोपाई (हाथ से) का भी समय है।
- ऐसी स्थिति में समस्त किसानों एवं कृषि श्रमिकों, जो फसलों की कटाई, फल एवं सब्जियों की तुड़ाई, अंडों और मछलियों के उत्पादन में लगे है, उनके द्वारा इन कार्यों के क्रियान्वयन के पहले, कार्यो के दौरान एवं कार्यो के उपरांत व्यक्तिगत स्वच्छता तथा सामाजिक दूरी को सुनिश्चित करना अत्यावश्यक है।
- फसलों की हाथ से कटाई/तुड़ाई के दौरान बेहतर होगा कि 4–5 फीट की पट्टियों में काम को किया जाए तथा एक पट्टी की दूरी में एक ही श्रमिक को कार्यरत रखा जाए। इस प्रकार कार्यरत श्रमिकों के बीच उचित दूरी सुनिश्चित की जा सकेगी।
- कार्यरत सभी व्यक्तियों/श्रमिकों को सुनिश्चित करना चाहिए कि वे मास्क पहनकर ही काम करें तथा बीच–बीच में साबुन से हाथ धोते रहें।
- एक ही दिन अधिक श्रमिकों को कार्य में लगाने के बजाए उस कार्य को अवधि/दिनों में बॉट दिया जाए तथा खेतों में काम अंतराल में किया जाए।
- जहॉ तक संभव हो परिचित व्यक्ति को ही खेतो के कार्य में लगाऍ। किसी अनजान श्रमिक को खेत में कार्य से रोकें ताकि वे इस महामारी का कारण न बन सके।
- जहॉ तक संभव हो कृषि कार्य उपकरणों व मशीनों से ही किया जाए न कि हाथों से तथा केवल उपयुक्त व्यक्ति को ही ऐसे संचंत्रों को चलाने दिया जाए।
- कृषि कार्यों में लगे संयंत्रों को कार्यों के पूर्व तथा कार्यों के दौरान साफ (sanitize) किया जाना चाहिए। साथ ही साथ बोरी तथा अन्य पैकेजिंग सामग्रियों को भी साफ (sanitize) किया जाना चाहिए।

- खलिहानों में तैयार उत्पादों को छोटे–छोटे ढेरों में इकट्ठा करें जिनकी आपस में 3–4 फीट हो। साथ ही प्रत्येक ढेर पर 1–2 व्यक्ति को ही कार्य पर लगाना चाहिए तथा भीड़ इकट्ठा करने से बचना चाहिए।
- कटाई की गयी मक्के एवं खोदे हुए मूंगफली की मड़ाई हेतु लगाई गई मशीनों की उचित साफ–सफाई एवं स्वच्छता (sanitize) सुनिश्चित करें । खासकर यदि इन मशीनों को अन्य किसानों या कृषक समूहो द्वारा उपयोग किया जाना है। इन मशीनों के पार्ट्स (पुर्जो) को बार–बार छूने पर साबुन से हाथ धोना चाहिए।

2. कृषि उत्पादों का कटाई उपरान्त भंडारण तथा विपणन

- प्रक्षत्रो पर कुछ खास कार्यो जैसे मड़ाई, सफाई, सुखाई, छंटाई, ग्रेडिंग, तथा पैकेजिंग के दौरान किसानों/श्रमिकों को चेहरे पर मास्क अवश्य लगाना चाहिए ताकि वायु–कण एवं धूल–कण से बचा जा सके और श्वास संबंधित तकलीफों से दूर रहा जा सके।
- तैयार अनाजों, मोटे अनाजों तथा दालों को भंडारण के पूर्व पर्याप्त सुखा ले तथा पुराने जूट के बोरों को भडारण हेतु प्रयोग ना करें। नए बोरियों को नीम के 5 प्रतिशत घोल में उपचारित कर तथा सूखा कर ही अनाजों के भंडारण हेतु प्रयोग करें।
- शीत भंडारों, सरकारी गोदामों तथा अन्य गोदामों द्वारा आपूर्ति की गई जूट की बोरियों का उपयोग अनाज भंडारण हेतु काफी सतर्कता पूर्वक करें।
- अपने उत्पादों को बाजार–यार्ड अथवा निलामी स्थल तक ले जाने के दौरान ढुलाई के वक्त किसान अपनी निजी सुरक्षा का भरपूर ध्यान रखें।
- बीज उत्पादक किसानों को अपने बीजों को लेकर बीज कंपनियों तक ट्रांसपोर्ट (यातायात) करने की इजाजत है बशर्ते उन किसानों के पास संबंधित दस्तावेज हो तथा भुगतान के वक्त समुचित सावधानी बरतें।
- बीज प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग, संयंत्रों द्वारा बीजों का आवगमन बीज उत्पादक प्रांतों से फसल उत्पादक प्रांतों तक आवश्यक है ताकि गुणवक्तायुक्त बीजों की उपलब्धता आगामी खरीफ ऋतु के लिए सुनिश्चित किया जा सके (दक्षिण भारत से उत्तर भारत तक)। उदाहरण के लिए अप्रैल के महीने में उत्तर भारत में हरे चारे की खेती हेतु बीज की आपूर्ति दक्षिण भारत के प्रांतों द्वारा की जाती है।
- इनके अतिरिक्त, किसानों के द्वारा उनके प्रक्षेत्रों पर तैयार टमाटर, फूलगोभी, हरी पत्तेदार सब्जियां, खीरा तथा अन्य लौकीवर्गीय सब्जियों के बीज के सीधे विपणन में किसानों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

प्रक्षेत्रों पर खड़ी फसलों से संबंधित सावधानियॉ

- जैसा कि ऐसा देखा जा रहा है कि इस बार अधिकांश गेहूं उत्पादक प्रांतों में औसत तापमान विगत अनेक वर्षो के औसत तापमान से कम है, अतः गेहूँ की कटाई कम–से–कम 10–15 दिन आगे बढ़ने की संभावना है। ऐसी दशा में किसान यदि 20 अप्रैल तक भी

गेहूं की कटाई करें तो उन्हें कोई आर्थिक नुकसान नहीं होगा। इस प्रकार गेहूँ की खरीदारी राज्य सरकारों व अन्य ऐजेंसियों द्वारा करना आसान होगा।

- दक्षिणी भारत के प्रातों में शीतकालीन (रबी) धान की फसल दाने पुष्ट होने की अवस्था में है तथा नेक ब्लास्ट रोग से प्रभावित है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि संबंधित रोगनाशी रसायन का छिड़काव सावधानी पूर्वक करें।
- इन्ही प्रांतों में धान की कटाई की अवस्था में यदि असामयिक बारिश हो जाए तो किसानों को 5 प्रतिशत लवण के घोल का छिड़काव फसल पर करना चाहिए ताकि बीज अकुंरण को रोका जा सके।
- उद्यानिकी फसलें, खासकर, आम पर इस समय फल बनने की अवस्था है। आम के बागों में पोषक तत्वों के छिड़काव तथा फसल सुरक्षा के उपायों के दौरान रसायनिक निवेशों का समुचित हैंडलिंग, उनका समिश्रण, उपयोग तथा संबंधित संयंत्रों की सफाई अत्यंत आवश्यक है।
- चना/सरसों/आलु/गन्ना/गेहूँ के बाद खाली खेतों में जहॉ ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती होनी है वहॉ मूंग के फसलों में सफेद मख्खी के प्रबंधन हेतु उचित रसायनों के उपयोग के दौरान समुचित सुरक्षा का पालन करें ताकि इन फसलों को पीले मोजैक (विषाणु) के प्रकोप से बचाया जा सके।

ASSAMESE

COVID-19 ৰ সংক্রমণৰ বাবে তলাবন্ধৰ সময়ছোৱাত কৃষক আৰু কৃষিক্ষেত্রত জড়িত সকলৰ বাবে আগবঢ়োৱা নির্দেশনা

ভাৰত চৰকাৰৰ নির্দেশনা ·

তলাবন্ধৰ পৰা অব্যাহতি প্রদান কৰা কৃষি আৰু কৃষিসম্বন্ধীয় কাম কাজসমূহ

(i) পশুচিকিৎসালয়

(ii) নূন্যতম সর্মথন মূল্যৰ লগত জড়িত সকলোকো সামৰি কৃষিজাত সামগ্রীসমূহৰ ক্রয় (procurement)ৰ লগত জড়িত সংস্থাসমূহ।

(iii) কৃষি উৎপাদিত সামগ্রীৰ বজাৰ সমিতিৰ দ্বাৰা পৰিচালিত অথবা ৰাজ্য চৰকাৰৰ দ্বাৰা বিজ্ঞাপিত বজাৰসমূহ।

(iv) কৃষক আৰু কৃষিৰ লগত জড়িত মহিলাসকলে কৃষিক্ষেত্রত কৰা কৃষিকর্ম সমূহ।

(v) কৃষি সজুঁলি সম্বন্ধীয় Custom Hiring Centres (CHC) সমূহ।

(vi) সাৰ, কীটনাশক আৰু বীজ উৎপাদন আৰু পেকেট কৰা একক (Unit) সমূহ।

(vii) শস্য চপোৱা আৰু গুটি সিচাঁৰ লগত জড়িত কৃষি সজুঁলিসমূহ যেনে Combine Harvester ৰ লগতে অন্যান্য কৃষি আৰু উদ্যান শস্য সম্বন্ধীয় কৃষি সজুঁলিসমূহৰ ৰাজ্যৰ ভিতৰতে অথবা আন্তঃৰাজ্যিক আদান-প্রদান।

এই অব্যাহতিসমূহে কৃষি সম্বন্ধীয় কামকাজবোৰ সূচল কৰাৰ ফলত অত্যাৱশ্যকীয় কৃষিজাত সামগ্রীৰ যোগান নিশ্চিতকৰণ সম্ভৱ হ'ব আৰু লগতে কৃষকসকলে তলাবন্ধৰ সময়ছোৱাত কৃষি সম্বন্ধীয় কোনো অসুবিধাৰ সম্মুখীন নহব। তলাবন্ধৰ এই সময়ছোৱাত এই সেৱাসমূহ কার্য্যকৰী কৰি ৰাখিবলৈ মন্ত্রালয় সমূহলৈ আৰু ৰাজ্যসমূহলৈ প্রয়োজনীয় নির্দেশনা জাৰি কৰা হৈছে। (কৃষি আৰু কৃষককল্যাণ মন্ত্রালয়ৰ অনুৰোধ মর্মে গৃহ মন্ত্রালয়ৰ নির্দেশনা অনুযায়ী ভাৰত চৰকাৰৰ Vide No. 40-3/ 2020-DM-1(A) dated 24th, 25th and 27th March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 and 6 অব্যাহতি প্রদান কৰিছে)।

ভাৰত চৰকাৰৰ নীতি নির্দেশনাৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি বিভিন্ন মন্ত্রালয় তথা ৰাজ্য চৰকাৰৰ বিভাগ সমূহে কৃষি আৰু কৃষি সম্বন্ধীয় কাম কাজ সমূহ নিয়মীয়াকৈ চলি থকাত সুবিধা হ'বৰ বাবে কার্য্যকৰী নির্দেশনা উলিয়াইছে।

কৃষকৰ বাবে পৰামর্শৱলীঃ

শস্য চপোৱা আৰু মৰণা মৰাঃ

এই COVID-19 ৰ সংক্রমণৰ সময়তে ৰবি শস্য চপোৱাৰ সময় আহি পৰিছে। যিহেতু কৃষিকার্য্য সময়ৰ ওপৰত নির্ভৰশীল সেয়ে শস্য চপোৱা আৰু কৃষি উৎপাদন সামগ্রীৰ আদান-প্রদান অনিবার্য্য। যি কি নহওক, কৃষকসকলে প্রতিৰোধমূলক ব্যৱস্থা লোৱা উচিত যাতে এই মহামাৰী সংক্রমণৰ পৰা নিজকে নিৰাপদে ৰাখে। সাধাৰণভাৱে ল'ব লগা প্রতিৰোধমূলক ব্যৱস্থা সমূহৰ ভিতৰত হৈছেঃ সামাজিক দূৰত্ব বজাই ৰখা, চাবোনেৰে হাত ধুই থাকি ব্যক্তিগত পৰিস্কাৰ পৰিচ্ছন্নতা ৰক্ষা কৰা, মুখত 'মাস্ক' পৰিধান কৰা, সুৰক্ষিত পোচাক পিন্ধা আৰু কৃষি সজুঁলি সমূহ চাফা কৰি বীজানুমুক্ত কৰি ৰখা। কৃষিক্ষেত্রত প্রতিটো খোজতে নিৰাপদ ব্যৱস্থা আৰু সামাজিক ব্যৱধান কর্ম্মীসকলে মানি চলাটো অতি জৰুৰী।

* কেইবাখনো উত্তৰাঞ্চল ৰাজ্যত ঘেঁহু চপোৱাৰ সময় ওচৰ চাপিছে আৰু সেই ৰাজ্যসমূহত Combine Harvester ৰ দ্বাৰা শস্য চপোৱা আৰু আন্তঃ আৰু ৰাজ্যৰ ভিতৰতে ইয়াৰ আদান-প্রদানৰ অনুমতি প্রদান কৰা হৈছে। মেৰামতি, শস্য চপোৱা আদি কার্য্যৰ লগত জড়িত সকলে প্রতিৰোধ ব্যৱস্থাসমূহ মানি চলাটো বাঞ্ছনীয়।
* সৰিয়হ হৈছে দ্বিতীয় অত্যাৱশ্যকীয় ৰবিশস্য যাৰ শস্য চপোৱা কাম চলি আছে আৰু য'ত শস্য চপোৱা ইতিমধ্যে হৈ গৈছে তাত মৰণা মৰা হৈ আছে।
* মচুৰ, গোমধান আৰু জলকীয়া শস্য চপোৱা চলি আছে আৰু বুটমাহৰ শস্য চপোৱা ক্ষীপ্রতাৰে ওচৰ চাপিছে।
* কুঁহিয়াৰ শস্য চপোৱাৰ এতিয়া ভৰপুক সময়, আৰু উত্তৰাঞ্চলত হাতেৰে শস্য ৰোপনৰ সময়।
* শস্য চপোৱা কার্য্যত বিশেষকৈ শস্য, ফলমূল, শাকপাচলি, গাখীৰ, কণী, মীন আদিত জড়িত সকলে প্রতিৰোধমূলক সাৱধানতা লোৱা উচিত। লগতে ব্যক্তিগত পৰিস্কাৰ-পৰিচ্ছনতা অৱলম্বন কৰি সামাজিক দূৰত্ব বজাই ৰখাটো বাঞ্ছনীয়।
* হাতেৰে শস্য চপাওতে বা চিঙোতে, ৪-৫ ফুট দূৰত্বত শাৰী শাৰীকৈ ল'ব লাগে আৰু এটা শাৰীত এজন এজন হ'ব যাতে জড়িত কর্মী সকলে কাম কৰোতে এটা প্রয়োজনীয় দূৰত্ব বজাই ৰাখিব পাৰে।
* কৃষিকর্মত জড়িত সকলোৱে মুখত 'মাস্ক' পৰিধান কৰিব আৰু এটা নির্দিষ্ট সময়ৰ মূৰে মূৰে চাবোনেৰে হাত ধোৱাতো নিশ্চিত কৰিব।
* জিৰণি লোৱা সময়ত, আহাৰ খোৱাৰ সময়ত, উৎপাদিত সামগ্রীসমূহ সংগ্রহস্থলীলৈ স্থানান্তৰ কৰাৰ সময়ত, সামগ্রী থোৱা আৰু নিয়া কার্য্য কৰোতে এজনৰ পৰা আনজনৰ মাজত ৩-৪ ফুট ব্যৱধানৰ দূৰত্ব বজাই ৰাখিব।
* কৃষিক্ষেত্রত একে দিনাই বহুত মানুহ জড়িত নাথাকিব।
* পৰিচিত লোকক জড়িত কৰিব যদি সম্ভৱ হয়, পাৰিলে সন্দেহযুক্ত বা ৰোগৰ বাহক হোৱাৰ সন্দেহ থকা লোকক কামত নলগাব।
* যিমান দূৰ সম্ভৱ, যন্ত্রৰ দ্বাৰা কৃষিকর্ম কৰাটো ভাল আৰু একেবাৰে প্রয়োজনীয় সংখ্যক কর্মীহে নিয়োগ কৰা উচিত।
* সকলোবোৰ যন্ত্রসজুঁলি আৰম্ভণিতে আৰু কৃষিকর্মৰ এটা নির্দিষ্ট সময়ৰ ব্যৱধানত বিজাণুমুক্ত কৰি থাকিব লাগে। যাতায়তৰ বাবে প্রয়োজনীয় সকলোবোৰ যানবাহন আৰু ব্যৱহৃত বেগ (gunny bag) অথবা পেকেট থকা বস্তু বিজাণুমুক্ত কৰি ৰাখিব লাগে।
* উৎপাদিত সামগ্রীৰ সংগ্রহ ৩-৪ ফুট ব্যৱধানত খুব কম সংখ্যকৰ দ্বাৰা কৰা উচিত আৰু কৃষিক্ষেত্র প্রস্তুতকৰণত এজন বা দুজনক জড়িত কৰা উচিত যাতে তাত জনসমাগম কম হয়।
* গোমধান আৰু বাদাম শস্য চপোৱাৰ বাবে ব্যৱহৃত কৃষিসজুঁলি সমূহ, বিশেষকৈ যেতিয়া কৃষিসজুঁলি সমূহ ভাগবতৰা কৰি লোৱা হয় বা কৃষকৰ গোটে ব্যৱহাৰ কৰে তেনেক্ষেত্রত সেইসমূহ ভালদৰে চাফ-চিকুন কৰি বিজাণুমুক্ত কৰি ল'ব লাগে। কৃষিসজুঁলি সমূহৰ প্রতিটো অংশই যিবোৰ কৃষকসকল সঘনে চুই থাকে সেই অংশ সমূহ চাবোনেৰে ধুব লাগে।

পামৰ পৰা উৎপাদিত শস্যৰ চপোৱাৰ পিছৰ ব্যৱস্থাপনা, সংৰক্ষণ আৰু বিপনন

* খাদ্যশস্য শুকুৱা, মৰণা মৰা, বাঁ দিয়া, চাফা কৰা, পেকেট কৰা সময়ত কৃষকসকলে মুখমণ্ডলত প্রতিৰক্ষামূলক মুখা (মাস্ক) পিন্ধিব যাতে ধূলি মাকতি সমূহ নাক আৰু মুখৰ জড়িয়তে সোমাব নোৱাৰে।

* চপোৱাৰ পিছত খাদ্য-শস্য সমূহ ৰ'দত ভালদৰে শুকুৱাই সংৰক্ষণৰ ব্যৱস্থা কৰাটো নিশ্চিত কৰিব । পোক-পতংগৰ আক্রমণৰ পৰা বীজখিনি বচাবলৈ আগতে ব্যৱহাৰ কৰা মৰাপাটৰ বস্তাসমূহ বীজ সংৰক্ষণৰ বাবে পুনৰ ব্যৱহাৰ কৰিব নালাগে। পুৰণা বস্তাসমূহ ৫ শতাংশ নিমৰ মিশ্রণত ডুবাই ৰখাৰ পাছতহে বীজ সংৰক্ষণৰ কাৰণে ব্যৱহাৰ কৰিব লাগে।
* উৎপাদিত সামগ্রীসমূহ কৃষকসকলৰ লগত মজুত থকা বা পর্যাপ্ত পৰিমাণে যোগান ধৰা মৰাপাটৰ বস্তা সমূহত ভৰাই স্বস্থানত/স্বগৃহত অথবা নিকটতম শীতলীকৰণ কক্ষত, গুদামত সংৰক্ষণ ৰ কাৰণে কৃষকসকলে আগতীয়াকৈ যথোচিত সর্তকতা অবলম্বন কৰিব।
* খাদ্য সামগ্রীসমূহ বাহনত উঠোৱা, পৰিবহন কৰা আৰু বজাৰত নমোৱালৈকে বা তাৰ পিছত বিপননত ভাগ লওতে ব্যক্তিগত সুৰক্ষাৰ ব্যৱস্থা কৰিব তথা সাবধানতা লব।
* বীজ উৎপাদনকাৰী কৃষকসকলক উপযুক্ত নথিপত্রৰ ব্যৱস্থা কৰি বীজসমূহ বীজ ক্রয়কাৰী কোম্পানী সমূহলৈ লৈ যাবলৈ অনুমতি প্রদান কৰা হৈছে আৰু লগতে টকা পইছা লেনদেনৰ সময়ত সর্তকতা অবলম্বনৰ বাবে পৰামর্শ দিয়া হৈছে।
* বীজ processing আৰু পেকেজিং ব্যৱস্থাৰ লগতে বীজ উৎপাদনকাৰী ৰাজ্যৰ পৰা বীজ ক্রয়কাৰী শস্য উৎপাদক ৰাজ্যলৈ বীজৰ সৰবৰাহ অতি প্রয়োজনীয়।
* শাক-পাচলি যেনে বিলাহী, ফুলকবি, সেউজীয়া শাক-পাচলি, তিয়ঁহ আদিৰ বিপননৰ ক্ষেত্রত বিশেষ সর্তকতা অবলম্বন কৰা উচিত।

পথাৰ শস্যৰ ক্ষেত্রত লবলগীয়া সাবধানতা ঃ

* দেখা গৈছে যে বেছিভাগ ঘেঁহু উৎপাদনকাৰী অঞ্চলৰ তাপমাত্রা এতিয়াও দীর্ঘম্যাদী গড় উষ্ণতাৰ তলত আছে আৰু ঠাৱৰ কৰা হৈছে যে ঘেঁহু চপোৱাৰ সময় ১০-১৫ দিন বিলম্ব হব পাৰে (১০ এপ্রিলৰ পিছত), সেয়েহে কৃষকসকলে অর্থনৈতিক ক্ষতি নোহোৱাকৈ ঘেঁহু চপোৱাৰ কাম ২০ এপ্রিললৈকে কৰিব পাৰিব।
* দক্ষিণ ভাৰতৰ ৰাজ্য সমূহত শীতকালীন ধানত neck blast ৰোগৰ কাৰণে বীজ পৈনত হোৱা প্রক্রিয়া ক্ষতিগ্রস্থ হোৱা দেখা গৈছে। অনুমোদিত ভেঁকুৰনাশক স্প্রে কৰাৰ ক্ষেত্রত বিশেষ সর্তকতা অবলম্বন কৰা অত্যন্ত জৰুৰী।
* ধান চপোৱা সময়ত অনাকাংক্ষিত বৃষ্টিপাতৰ বাবে হব পৰা বীজ অংকুৰণ ৰোধ কৰিবৰ কাৰণে ৫ শতাংশ নিমখৰ মিশ্রণ স্প্রে কৰিব লাগে।
* উদ্দ্যান শস্যৰ (যেনে আম) ফল লগা সময়ত কৰা পৰিচর্যা যেনে পোষক মৌল স্প্রে কৰা আৰু শস্য ৰক্ষাৰ ক্ষেত্রত সাৱধানতা লোৱা অত্যন্ত জৰুৰী যেনে ৰাসায়নিক কীটনাশকৰ ব্যৱহাৰ, প্রয়োগ আৰু ইয়াৰ লগত জড়িত সামগ্রী সমূহৰ ধোৱা পঁখলা ইত্যাদি।
* শালিধান চপোৱাৰ পিছত কৰা গ্রীস্মকালিন মাহজাতীয় শস্যৰ প্রধান ব্যাধি 'হালধীয়া মোজাইক ভাইৰাছ ৰোগ' ৰ ক্ষেত্রত লবলগীয়া শস্যৰক্ষাৰ ক্ষেত্রত যথাযথ সুৰক্ষা ব্যবস্থা লব লাগে।

BENGALI

ভারত সরকারের সুপারিশ কৃত করোনা ভাইরাস (কোভিড- ১৯) সংক্রমণের জন্য দেশব্যাপী *লকডাউন এর সময়ে কৃষকদের জন্য কৃষিকার্যের নির্দেশাবলী :

দেশব্যাপী লকডাউনের আওতার বাইরে থাকা কৃষি ও কৃষি সম্পর্কিত কাজকর্ম:

1. পশু চিকিৎসালয়ের কাজকর্ম
2. কৃষিপণ্য ক্রয় ও ন্যুনতম সমর্থন মূল্যের কাজে যুক্ত সংস্থার কাজকর্ম
3. কৃষিজাত পণ্যের বাজার কমিটি (এপিএমসি) বা রাজ্য সরকার অনুমোদিত কৃষিবাজার বা মাণ্ডিসমূহ
4. কৃষক বা কৃষি শ্রমিক দ্বারা জমিতে বিভিন্ন কৃষিকাজ
5. কৃষিযন্ত্রপাতি ভাড়া দেওয়ার সংস্থার (কাস্টম ফায়ারিং সেন্টার) কাজকর্ম
6. সার/কীটনাশক/বীজ উৎপাদনকারী সংস্থার উৎপাদন ও প্যাকেজিং এর কাজকর্ম
7. শস্য বোনা বা ফসল কাটার কাজে নিযুক্ত যন্ত্রসামগ্রী যেমন কম্বাইন্ড হারভেস্টার এবং অন্য যন্ত্রপাতির আন্তঃরাজ্য ও রাজ্যের মধ্যে বিভিন্ন জায়গায় যাতায়াত

এই অব্যাহতি দেশের কৃষিকার্যের দৈনন্দিন কাজকর্মকে বাধাহীনভাবে এগিয়ে নিয়ে যেতে সাহায্য করবে যা নিত্য প্রয়োজনীয় কৃষিপণ্যের যোগানকে মসৃণ রাখবে এবং লকডাউনের সময়ে কৃষকরা কৃষিকাজে কোনরকম অসুবিধার সম্মুখীন হবে না। এই নির্দেশ যাতে সঠিকভাবে কার্যকরী হয় তার জন্য প্রয়োজনীয় নির্দেশ ইতিমধ্যেই সমস্ত রাজ্য সরকার বা কেন্দ্র শাসিত অঞ্চলের সংশ্লিষ্ট মন্ত্রক বা দপ্তরকে জানানো হয়েছে।

(স্বরাষ্ট্র মন্ত্রক, ভারত সরকারের নির্দেশনামা: 40-3/2020-DM-I(A) dated 24th, 25th and 27th March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 and 6 in exceptions based on request of the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, GoI)

ভারত সরকারের নীতি নির্দেশিকা অনুযায়ী রাজ্য সরকারগুলির বিভিন্ন মন্ত্রক/দপ্তর থেকে কিছু নির্দেশাবলী জারী করা হয়েছে যাতে কৃষি ও সংশ্লিষ্ট কাজকর্ম বাধাহীন ও নিরবচ্ছিন্নভাবে হয়।

কৃষকদের জন্য পরামর্শ
ফসল কাটা, মাড়াই, ঝাড়াই ও সংগ্রহ

করোনা ভাইরাস (কোভিড-১৯) নামক মহামারীর ব্যাপক সংক্রমণ এমন সময়ে দেখা দিয়েছে যখন রবি মরশুমের বিভিন্ন ফসল ঘরে তোলার সময়। মাঠ থেকে এই রবিশস্য সংগ্রহ ও তা ঝাড়াই মাড়াই করে বাজারজাত করার কাজ ইত্যাদি পুরোপুরি সময় নির্ধারিত ব্যাপার।এই বিপর্যয়ের সময়ে দাঁড়িয়ে কৃষকদেরকে সবরকমের সতর্কতা ও সাবধানতা নিতেই হবে যাতে করে এই মহামারী ছড়িয়ে না পড়ে। এর জন্য কিছু সাধারণ ও সহজ ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে যেমন যে কোন সাবান দিয়ে অন্তত ২০ সেকেন্ড ধরে হাত ধোয়া, ৬০-৭০ শতাংশ অ্যালকোহল দ্রবণ দিয়ে হাত ও যন্ত্রপাতি মুছে নেওয়া, মুখে মাস্ক পরা, সুরক্ষা মূলক পোশাক পরা, একে অপরের থেকে নির্ধারিত নিরাপদ দূরত্ব (১- ২ মিটার) বজায় রাখা এবং সঠিকভাবে কৃষি যন্ত্রপাতি পরিষ্কার ও পরিচ্ছন্ন রাখা। কৃষকরা ও কৃষি শ্রমিকগণ সমস্তরকম কৃষিকাজের প্রতিটি ধাপেই এই সতর্কতামূলক আচরণবিধি ও নিরাপদ দূরত্ব অতি অবশ্যই মেনে চলবেন।

1. দেশের উত্তরভাগের রাজ্যগুলিতে এখন গম কাটার সময় আসছে এবং এরজন্য কম্বাইন্ড হারভেস্টারের রাজ্যের মধ্যে ও রাজ্যের বাইরে যাতায়াতকে লকডাউনের আওতা থেকে বাদ রাখা হয়েছে ও এর জন্য প্রয়োজনীয় অনুমতিও দেওয়া হয়েছে। কিন্তু এই যন্ত্রপাতির রক্ষণাবেক্ষণ, সারানো বা ফসল কাটার কাজে নিযুক্ত কর্মীদের জন্য আবশ্যিক সতর্কতামূলক সুরক্ষাব্যবস্থা সুনিশ্চিত করতে হবে।
2. রবি মরশুমে সরিষা হল দ্বিতীয় গুরুত্বপূর্ণ ফসল যা কৃষকরা এখন হয় মাঠ থেকে ফসল তুলছেন বা ঝাড়াইয়ের কাজে ব্যস্ত আছেন।
3. জমি থেকে মুসুর, ভুট্টা এবং লঙ্কা তোলার কাজ চলছে এবং ছোলাও খুব শীঘ্রই সংগ্রহ করা হবে।
4. মাঠ থেকে আখ কাটা এই মুহূর্তে পুরোদমে চলছে এবং উত্তরের রাজ্যগুলিতে আখ লাগানোর কাজও শুরু হয়ে গেছে।
5. ফসল তোলার সময় এবং তার আগে ও পরে যথোপযুক্তভাবে ব্যক্তিগত পরিচ্ছন্নতা এবং সামাজিক দূরত্বের বিষয়গুলি পালন করতে হবে।
6. যেসব জায়গায় হাত দিয়ে মাঠের ফসল তোলা ইত্যাদি কাজগুলি করতে হবে সেখানে এইসমস্ত কাজগুলি এমনভাবে করতে হবে যাতে কর্মরত প্রতিটি মানুষের মাঝখানে ৪ - ৫ ফুটের নিরাপদ দূরত্ব বজায় থাকে। এক্ষেত্রে ৪ - ৫ ফুট দূরে দূরে কয়েকটি সারির ফসল কাটার দায়িত্ব এক একজনকে দেওয়া যেতে পারে যাতে কৃষক বা কৃষি শ্রমিকদের মধ্যে যথেষ্ট দূরত্ব বজায় থাকে।
7. মাঠে কর্মরত প্রতিটি মানুষের উচিত জীবাণুপ্রতিরোধী মুখোশ পরে কাজ করা এবং বারেবারে সাবান দিয়ে নিজেদের হাত ধুয়ে নেওয়া।
8. মাঠে কাজের ফাঁকে বিশ্রাম নেওয়া, খাবার খাওয়া এবং তারপরে ফসল নিয়ে যাওয়ার সময়-সবক্ষেত্রেই উচিৎ পারস্পরিক দূরত্ব নিরাপদ সীমার মধ্যে (৪ - ৫ ফুট) রাখা।
9. মাঠে কাজ করার সময় যতটা সম্ভব ছড়িয়ে ছিটিয়ে কাজ করতে হবে। একই দিনে অধিক সংখ্যক লোককে কাজে নিযুক্ত না করাই ভালো।
10. এই সময়ে যথাসম্ভব পরিচিত মানুষজনকেই মাঠের কাজে নিযুক্ত করা ভালো, এতে করে সম্ভাব্য করোনা ভাইরাস জীবাণু বহনকারী কোন মানুষের থেকে মাঠে নিযুক্ত অন্যান্য লোকের মধ্যে এই রোগ ছড়িয়ে পড়ার সম্ভাবনা এড়ানো যাবে।
11. হাতে করে ফসল কাটার চাইতে যন্ত্রের সাহায্যে ফসলকাটাকে অগ্রাধিকার দিতে হবে। যন্ত্র চালানোর জন্য যেকজন লোকের প্রয়োজন কেবলমাত্র সে'কজনকেই এই কাজে লাগাতে হবে।
12. ফসল কাটার যন্ত্রগুলিকে প্রবেশপথে নিয়মিতভাবে জীবাণুমুক্ত করতে হবে। ফসল বা উৎপাদন সামগ্রী বহন করার গাড়ি এবং বস্তাবন্দী করার যন্ত্র, বস্তা ও অন্যান্য প্যাকেজিং সামগ্রীও জীবাণুমুক্ত করতে হবে।ফসল তোলার সময় তা ৪ - ৫ দূরে দূরে ছোট ছোট স্তূপে করে এক একটি স্তূপের দায়িত্ব ১ - ২ জনকে দেওয়া যেতে পারে।
13. ভুট্টা ও চীনাবাদাম ঝাড়নের যন্ত্রগুলিকে বিশেষ করে যেগুলি বিভিন্ন কৃষকগোষ্ঠী দ্বারা ব্যবহৃত হয় সেগুলিকে উপযুক্তভাবে পরিষ্কার ও জীবাণুমুক্ত করতে হবে। মেশিনের যেসমস্ত যন্ত্রাংশ বারেবারে হাতদিয়ে ব্যবহার করা হয় সেগুলিকে সাবানজল দিয়ে পরিষ্কার করতে হবে।

ফসলতোলা, গুদামজাতকরণ এবংবাজারজাত করার সময়ে সতর্কতা

1. কৃষিখামারে ফসল শুকানো, ঝাড়াই, মাড়াই, পরিষ্কার করা এবং প্যাকেজিং এর বিভিন্ন স্তরে যাতে করে শ্বাসনালীতে ধুলো এবং এরোসল প্রবেশ করে শ্বাসকষ্ট ঘটাতে না পারে সেজন্য মুখে মাস্ক ব্যবহার করতে হবে।

2. শস্যের গুদামজাত করার আগে সেগুলিকে ভালোভাবে শুকিয়ে নেওয়া দরকার। গুদামের পোকা যাতে আক্রমণ না করে সেজন্য পুরানো বস্তা ব্যবহার করা উচিৎ নয়। চটের বস্তাকে ৫ শতাংশ নিম দ্রবণে ডুবিয়ে শুকিয়ে নিয়ে ব্যবহার করলে ভালো হয়।
3. ভবিষ্যতে ফসলের ভালো দাম পাবার সম্ভাবনাকে সুনিশ্চিত করতে এবং খামারে উৎপাদিত শস্যকে যাতে পূর্ণমাত্রায় গুদামজাত করা যায় সেজন্য পর্যাপ্ত সংখ্যায় চটের বস্তা মজুত আছে কিনা তা আগেভাগেই দেখতে হবে।
4. বাজার/মান্ডিতে বিক্রি করার সময় যখন ফসল গাড়িতে তোলা হবে এবং নিয়ে যাওয়া হবে, তখন উপযুক্তভাবে ব্যক্তিগতস্তরে জীবাণুপ্রতিরোধী নিরাপত্তা ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।
5. যে সমস্ত কৃষকরা বীজ উৎপাদন করছেন তারা বীজ বিক্রয়ের জন্য উপযুক্ত নথিপত্রসহ বীজ বিক্রেতা কোম্পানিতে নিয়ে যেতে পারবেন। বিক্রয়মূল্য গ্রহণের সময়ও তাদের উপযুক্ত সতর্কতামূলক ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।
6. বীজ উৎপাদনকারী রাজ্যগুলি থেকে বীজ প্রক্রিয়াকরণ এবং প্যাকেজিং করে বীজব্যবহারকারী রাজ্যগুলিতে পরিবহন হওয়া অত্যন্ত প্রয়োজনীয় যাতে করে পরবর্তী খরিফ মরশুমে বীজের যোগান অক্ষুণ্ণ থাকে, যেমন সবুজ গোখাদ্যের বীজ যা উত্তরের রাজ্যগুলিতে এপ্রিল মাসে বোনা হয় তা দক্ষিণের রাজ্যগুলি থেকেই আসে।
7. মাঠ থেকে বিভিন্ন শাকসবজি যেমন টম্যাটো, ফুলকপি, বিভিন্ন ধরণের শাক, শসা, লাউ, কুমড়া ইত্যাদি সরাসরি বাজারজাত করার জন্য ব্যবস্থাগ্রহণ ও সাবধানতা অবলম্বন করতে হবে।

বর্তমানে মাঠে থাকা ফসলসমূহ

1. যে সমস্ত এলাকায় গম চাষ হয় সেখানকার তাপমাত্রা দীর্ঘমেয়াদী গড় তাপমাত্রার থেকে এখনও বেশ অনেকটা নিচে। যার ফলে গম কাটা ১০-১৫ দিন পিছিয়ে এপ্রিল মাসের ২০ তারিখ পর্যন্ত করলেও ফসলের উৎপাদন খুব বেশি ক্ষতিগ্রস্থ হবে না। এতে কৃষকরা ঝাড়াই-মাড়াই করে বাজারজাত করার জন্য বাড়তি অনেকটা সময় পাবেন।
2. দক্ষিণ ভারতের বিভিন্ন রাজ্যে মাঠের বোরো ধান এখন দানার পুষ্টি দশায় আছে। এইসময় ঝলসা (নেক ব্লাস্ট) রোগের আক্রমণের সম্ভাবনা দেখা দিতে পারে। এরজন্য বিশেষজ্ঞদের সুপারিশ করা নির্দিষ্ট ছত্রাকনাশক যেমন ট্রায়াজোল বা স্ট্রবিলিউরিন স্প্রে করা যেতে পারে।
3. পাকা ধান মাঠে থাকা অবস্থায় যদি অসময়ে বৃষ্টি হয় তাহলে গাছেই দানার অঙ্কুরোদগম (কল হওয়া) আটকাতে ৫ শতাংশ লবণজল স্প্রে করা যেতে পারে।
4. আম গাছে এখন মুকুল থেকে গুটি ধরছে। এই অবস্থায় স্প্রে করে সার বা শস্য সুরক্ষার জন্য কীটনাশক ও ছত্রাকনাশক প্রয়োগ করার সময় বিভিন্ন সামগ্রী বহন করা, মেশানো এবং যন্ত্রপাতি ধুয়ে পরিষ্কার করার সময় প্রয়োজনীয় সাবধানতা অবলম্বন করতে হবে।
5. গ্রীষ্মকালীন ডালশস্য যেমন মুগ ইত্যাদিতে সাদা মাছির আক্রমণ ও তার ফলে হলুদ মোজেয়িক ভাইরাস রোগ হতে পারে। এক্ষেত্রেও নিজেদের সুরক্ষা সাবধানতা অবলম্বন করে প্রয়োজনীয় ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।

GUJARATI

COVID-19 ના કારણે લૉકડાઉન સમયગાળા દરમિયાન ખેડુતો અને ખેતીક્ષેત્ર માટે માર્ગદર્શિકા

(ભારત સરકાર દ્વારા નિદર્શિત માર્ગદર્શિકા)

લૉકડાઉનમાંથી મુક્ત રાખવામાં આવેલ કૃષિ અને સંલગ્ન પ્રવૃત્તિઓ*

- પશુ ચિકિત્સાલયો
- એમએસપી (મિનિમમ સપોર્ટ પ્રાઇઝ) કામગીરી સહિતની કૃષિ ઉત્પાદનોની ખરીદીમાં રોકાયેલ એજન્સીઓ
- ખેતીવાડી ઉત્પન્ન બજાર સમિતિ દ્વારા સંચાલિત અથવા રાજ્ય સરકાર દ્વારા સૂચિત 'મંડીઓ'
- ખેતરમાં ખેડુતો અને ખેત કામદારો / મજૂરો દ્વારા થતી ખેત કામગીરી
- ફાર્મ મશીનરી સંબંધિત કસ્ટમ હાયરિંગ સેન્ટર્સ (સીએચસી)
- vi.ખાતર, જંતુનાશકો અને બીજના ઉત્પાદન અને પેકેજિંગ એકમો
- કૃષિ અને બાગાયતના કાપણી અને વાવણી સંબંધિત કમ્બાઇંડ હાર્વેસ્ટર તથા અન્ય મશીનો / સાધનોની રાજ્ય તથા આંતર-રાજ્ય અવર-જવર

ઉપરોક્ત મુક્તિ આવશ્યક પુરવઠો સુનિશ્ચિત થાય તે હેતુથી કૃષિ અને ખેતીને લગતી પ્રવૃત્તિઓ કોઈ પણ અવરોધ વિના ચાલુ રહે અને ખેડૂતોને મુશ્કેલી ન પડે તે માટે મદદરૂપ થશે. લોકડાઉન દરમિયાન અમલીકરણ માટે સંબંધિત મંત્રાલયો / રાજ્યના વિભાગો અને કેન્દ્રશાસિત પ્રદેશોને જરૂરી દિશા નિર્દેશો જારી કરવામાં આવ્યા છે.

* (કૃષિ અને ખેડૂત કલ્યાણ મંત્રાલય, ભારત સરકાર ની વિનંતી ના આધારે ગૃહ મંત્રાલય, ભારત સરકારની માર્ગદર્શિકા No.40-3/2020-DM-I(A) dated 24th, 25th and 27th March 2020 ની કલમ ૨, ૪, ૫ અને ૬ ના અપવાદ ના ઉમેરા સાથે)

ભારત સરકારના નીતિ નિર્દેશોના આધારે વિવિધ મંત્રાલયો / રાજ્ય સરકારોના વિભાગોએ કૃષિ અને સંલગ્ન ક્ષેત્રોને લગતી પ્રવૃત્તિઓ ચાલુ રાખવા માટે અમલીકરણ માર્ગદર્શિકા જારી કરેલ છે.

ખેડુતો માટે સલાહ

પાકની કાપણી અને લણણી

COVID-19 ફેલાવાના ભય વચ્ચે, રવી પાકો પરિપક્વતાની નજીક આવી રહ્યા છે. કૃષિ કાર્યો ની સમય સીમા જાળવવી જરૂરી હોવાથી પાકોની કાપણી તથા તે ઉત્પાદનોને બજારમાં પહોચાડવા સુધીના તમામ કાર્યો સમયસર થાય તે અનિવાર્ય છે. આમ છતાં, ખેડુતોએ આ રોગના ફેલાવાને રોકવા માટે લેવામાં આવતી

સાવચેતી અને સલામતીનાં પગલાઓનું પાલન કરવું જરૂરી છે .સરળ પગલાંમાં સામાજિક અંતર, સાબુથી હાથ ધોવા, વ્યક્તિગત સ્વચ્છતા જાળવવી, ચહેરા પર માસ્ક પહેરવો, રક્ષણાત્મક વસ્ત્રો પહેરવા તથા સાધનો અને મશીનરીની સફાઇ અગત્યના છે. ખેત કામગીરીની સંપૂર્ણ પ્રક્રિયામાં પ્રત્યેક પળે કાર્યકરો સલામતીનાં પગલાં અને સામાજિક અંતરનું પાલન કરે તે ખૂબ જરૂરી છે.

- ઉત્તરના ઘણા રાજ્યોમાં ઘઉંની લણણી કંબાઈન્ડ હાર્વેસ્ટર (સંયુક્ત લણણી કરનાર મશીન) દ્વારા થઈ રહી છે અને તેમની રાજ્યની અંદર અને આંતર રાજ્ય અવર-જવરને મંજૂરી આપવામાં આવી છે. સમારકામ, જાળવણી અને લણણી કામગીરીમાં રોકાયેલા કામદારોની સલામતી અને સાવચેતીનાં પગલાં લેવાની તકેદારી અવશ્ય રાખવી.
- રાઈ (રાયડો / સરસવ) બીજો મહત્વનો રવિ પાક છે. તેની ખેત મજૂરો દ્વારા કાપણીચાલી રહી છે તથા જ્યાં કાપણી થઈ ગઈ છે ત્યાં લણણી / થ્રેશિંગ થવાનું છે.
- મસૂર, મકાઇ અને મરચાંની ખેતી ચાલુ છે અને ચણાનો પાક ઝડપથી પરિપક્વ થઈ રહ્યો છે.
- શેરડીની કાપણી ટોચ પર છે અને ઉત્તરના રાજ્યોમાં ખેત મજૂરો દ્વારા જાતે વાવેતર માટેનો પણ આ સમય છે.
- ખેતી પાકો, ફળો, શાકભાજી ની કાપણી/ લણણી તથા મરઘાં પાલન (ઇંડા) અને માછલી પાલન (માછીમારી) જેવા કાર્યોમાં રોકાયેલ તમામ કાર્યકરો કામની શરૂઆત, કામ દરમ્યાન તથા કાર્ય પુર્ણ થયા બાદ વ્યક્તિગત સ્વચ્છતા અને સામાજિક અંતરની તકેદારી અવશ્ય લે તે જરૂરી છે.
- ખેત મજૂરો દ્વારા જાતે કરવામાં આવતા કાપણી અને લણણી જેવા કર્યો માટે ૪ થી ૫ ફૂટનું અંતર રહે તેવી રીતે રેખાઓ દોરીને દરેક કાર્યકર / ખેત મજૂરને વ્યક્તિગત રેખાઓમાં રહી કાર્ય કરવું. આવી રીતે કાર્ય કરનાર મજૂરો / કાર્યકરો વચ્ચે યોગ્ય વ્યક્તિગત અંતર સુનિશ્ચિત કરી શકાશે.
- કાર્યમાં રોકાયેલા તમામ વ્યક્તિઓએ માસ્કનો ઉપયોગ કરવો જોઈએ અને યોગ્ય સમયાંતરે સાબુથી હાથ ધોવાનું સુનિશ્ચિત કરવું જોઈએ.
- કાર્ય દરમ્યાન આરામ કરતાં, ભોજન કરતાં, ખેત ઉત્પાદનના સ્થળાંતર તથા તે માટે ભરતા / ઉતારતા (લોડીંગ / અનલોડીંગ) સમયે વ્યક્તિગત ત્રણ (૩) થી ચાર (૪) ફૂટનું અંતર જાળવવું જરૂરી છે.
- જો શક્ય હોય તો ખેત કાર્યોને નાના નાના સમયાંતરે કરવા અને એકે જ દિવસે વધુ સંખ્યામાં વ્યક્તિઓને રોકવાનું ટાળવું.
- ખેત કાર્યો દરમિયાન કોઈ શંકાસ્પદ અથવા સંભવિત વાહકના પ્રવેશને ટાળવા માટે શક્ય ત્યાં સુધી વાજબી તપાસ પછી ફક્ત પરિચિત વ્યક્તિઓને જ કાર્યો માટે રોકવા.
- જ્યાં શક્ય હોય ત્યાં મેન્યુઅલ કરતાં યાંત્રિક કામગીરીને વધુ પસંદ કરો. ફક્ત જરૂરી સંખ્યામાં જ વ્યક્તિઓને મશીનથી કામ કરવા માટે મંજૂરી આપો.

- મશીનને ખેતર પર લાવતા સાથે જ ઉપયોગમાં લેતા પહેલા તથા નિયમિત સમયાંતરે સફાઈ કરી જંતુરહિત કરવા જોઈએ. તમામ પરિવહન વાહનો, શણના કોથળા અથવા અન્ય પેકેજિંગ સામગ્રીને પણ સ્વચ્છ / જંતુરહિત કરવી જોઈએ.
- લણણી કરેલ ખેત ઉત્પાદનોને 3 – 4 ફૂટના અંતરે નાના ઢગલાઓમાં ભેગું કરવું અને ભીડને ટાળવા ખેત કક્ષાએ તેના પ્રોસેસિંગ માટે 1 થી 2 વ્યક્તિ/ ઢગલા પ્રમાણે કાર્ય સોંપવું.
- લણણી કરેલ મકાઈ અને મગફળી માટે થ્રેશર્સની યોગ્ય સ્વચ્છતા અને સફાઇ જાળવી રાખવી, ખાસ કરીને જ્યારે ખેડૂત જૂથો દ્વારા મશીનો શેર અને તેનો ઉપયોગ કરવામાં આવે છે. વારંવાર સ્પર્શ થનારા મશીનના ભાગોને સાબુથી ધોવાની સલાહ આપવામાં આવે છે.
- ખાસ કરીને જ્યારે ખેડૂત જૂથો દ્વારા મશીનો આપ-લે કરવામાં આવે છે અને તેનો ઉપયોગ કરવામાં આવે છે ત્યારે લણણી કરેલ મકાઈ અને મગફળી માટે વપરાતા થ્રેશર્સની યોગ્ય સ્વચ્છતા અને સફાઇ જાળવી રાખવી. મશીનના દરેક ભાગોને વારંવાર સાબુથી સ્વચ્છ કરવા સલાહભર્યું છે.

લણણી બાદ, ખેત ઉત્પાદન સંગ્રહ અને ખેત પેદાશોનું માર્કેટિંગ

- ખેત કક્ષાએ સૂકવણી, થ્રેશિંગ, સફાઈ, ગ્રેડિંગ અને પેકેજીંગ જેવી તમામ કામગીરી કરતી વખતે, રક્ષણાત્મક માસ્ક ચહેરા પર પહેરવાથી એરોસોલ્સ અને ધૂળના કણો દ્વારા થતી શ્વસનની મુશ્કેલીઓને રોકવા માટે મદદ મળી શકે છે.
- ખેતરમાં / ઘરમાં લણાયેલા અનાજ, બાજરી, કઠોળનો સંગ્રહ કરતા પહેલા યોગ્ય સૂકવણીની ખાતરી કરો અને જંતુના ઉપદ્રવને રોકવા માટે પાછલી ઋતુમાં વપરાયેલ શણના કોથળાંનો ફરીથી ઉપયોગ ન કરો. લીમડાના 5 % દ્રાવણમાં પલાળીને સુકાવેલ શણના કોથળાંનો ઉપયોગ કરો.
- ખેત પેદાશોના વધુ સારા ભાવ મેળવવા માટે ખેડુતોએ ખેતર પર પેદાશોને સંગ્રહવા માટે શણના કોથળાંનો ઉપયોગ કરવામાં પૂરતી કાળજી લેવી. પૂરતી સંખ્યામાં શણના કોથળાં નજીકના કોલ્ડ સ્ટોરેજ / ગોડાઉન / વેરહાઉસોમાં ઉપલબ્ધ છે.
- ખેત પેદાશોના લોડિંગ અને પરિવહન માટે અને માર્કેટ યાર્ડ્સ / હરાજી પ્લેટફોર્મ પર વેચાણમાં ભાગ લેતી વખતે વ્યક્તિગત સલામતીના પૂરતા પગલા લેવા.
- બીજ ઉત્પાદક ખેડૂતોને સહાયક દસ્તાવેજો સાથે બીજ કંપનીઓમાં પરિવહન કરવાની મંજૂરી છે. યુકવણી પ્રાપ્ત કરતી વખતે સાવચેતીનું પાલન કરવું.
- બીજ પ્રોસેસિંગ / પેકેજિંગ અને બીજ ઉત્પાદક રાજ્યોથી બીજ ઉગાડતા રાજ્યો (દક્ષિણથી ઉત્તર) સુધી બીજનું પરિવહન ખરીફ ઋતુના પાકોનું વાવેતર સુનિશ્ચિત કરવા માટે ખૂબ જરૂરી છે. દા.ત. ઉત્તરના રાજ્યોમાં એપ્રિલમાં વાવણી માટે લીલા ઘાસચારાનું એસએસજી બીજ દક્ષિણના રાજ્યોમાંથી આવે છે
- ટામેટાં, કોબીજ, લીલા પાંદડાવાળા શાકભાજી, કાકડીઓ અને ખેતરોના અન્ય કાકડી જેવા શાકભાજીના સીધા માર્કેટિંગ / સપ્લાય માટે સાવચેતી રાખવી.

ખેતરમાં ઉભેલા (સ્થાયી) ક્ષેત્ર પાક

- ઘઉં ઉગાડનારા મોટાભાગના વિસ્તારોમાં તાપમાન હજી પણ લાંબા ગાળાના સરેરાશથી નીચુ છે અને ઘઉંના પાકની કાપણીને 10 એપ્રિલ પછી પણ ઓછામાં ઓછા 10-15 દિવસ વિલંબ થવાની સંભાવના છે, તેથી, ખેડુતો કોઈ નોંધપાત્ર નુકસાન કર્યા વિના ઘઉના પાકની કાપણી 20 એપ્રિલ સુધી લંબાવી શકે છે. આથી, ખરીદી અને તારીખોની ઘોષણા માટે તથા લોજિસ્ટિક્સ મેનેજ કરવા માટે પૂરતો સમય મળી રહેશે.
- દક્ષિણના રાજ્યોમાં રવિ ઋતુના ડાંગરના પાકમાં દાણા ભરાવાના પાકના તબક્કે ડાંગરમાં નેક બ્લાસ્ટના રોગને કારણે વ્યાપક અસર થયેલ છે. કરાર દ્વારા છંટકાવ કરનાર / ખેડુતો દ્વારા ભલામણ કરવામાં આવતા ફૂગનાશક દવાના છંટકાવ વખતે પૂરતી સાવચેતી રાખવી જોઇએ.
- ડાંગરની લણણીના તબક્કે કોઈ વાતાવરણીય વરસાદની સ્થિતિમાં, બીજ અંકુરણને રોકવા માટે 5% મીઠાના દ્રાવણનો છંટકાવ કરવો
- બાગાયતી પાકોમાં ફળ બેસવાના સમયે, દા. ત. કેરી, પોષક તત્વોના સ્પ્રે અને પાક સંરક્ષણને લગતી ખેત કામગીરી હાથ ધરવામાં આવે ત્યારે ઇનપુટ્સના મિશ્રણ અને વપરાશ વખતે તથા વપરાશમાં લેવાતા ઉપકરણો ધોવા માટે પૂરતી સાવચેતી લેવી.
- ઉનાળુ કઠોળમાં, પીળા મોઝેક વાયરસના રોગને રોકવા માટે સફેદમાખીના વ્યવસ્થાપન સહિત સલામતીનાં યોગ્ય પગલાં લેવા.

KANNADA

ಕೋವಿಡ್–19 ಸಂಧಿಗ್ಧ ಸಂದರ್ಭದ ಲಾಕ್‌ಡೌನ್ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ ರೈತರಿಗೆ ಹಾಗೂ ಕೃಷಿ ಕ್ಷೇತ್ರಕ್ಕೆ ಹಲವು ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳು

* ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರದ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳು:

ಕೃಷಿ ಹಾಗೂ ಕೃಷಿ ಪೂರಕ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳು ಈ ಲಾಕ್‌ಡೌನ್‌ನಿಂದ ಹೊರತಾಗಿವೆ:

i. ಪಶು ಚಿಕಿತ್ಸಾ ಆಸ್ಪತ್ರೆಗಳು.

ii. ಕನಿಷ್ಟ ಬೆಂಬಲ ಬೆಲೆ ನೀಡುವ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು ಸಹಿತವಾಗಿ, ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವ ಸಂಸ್ಥೆಗಳು.

iii. ರಾಜ್ಯ ಸರ್ಕಾರದ ಪರವಾನಗಿ ಪಡೆದ ಅಥವಾ ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನ ಮಾರುಕಟ್ಟೆ ಸಮಿತಿಯಿಂದ ನಡೆಯುವ ಮಂಡಿಗಳು.

iv. ಕೃಷಿಕರು ಹಾಗೂ ಕೃಷಿ ಕಾರ್ಮಿಕರಿಂದ ನಡೆಯುವ ಕೃಷಿ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳು.

v. ಕೃಷಿ ಯಂತ್ರೋಪಕರಣಗಳ ಬಾಡಿಗೆ ನೀಡುವ ಕೇಂದ್ರಗಳು.

vi. ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು, ಕ್ರಿಮಿನಾಶಕಗಳು ಹಾಗೂ ಬೀಜಗಳ ಉತ್ಪಾದನಾ ಮತ್ತು ಪ್ಯಾಕ್ ಮಾಡುವ ಕೇಂದ್ರಗಳು.

vii. ರಾಜ್ಯದ ಒಳಗೆ ಹಾಗೂ ಹೊರ ರಾಜ್ಯಗಳಿಂದ ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ಹಾಗೂ ಬಿತ್ತನೆಗಾಗಿ ಬಳಸುವ ಕೊಯ್ಲು ಯಂತ್ರಗಳು ಮತ್ತು ಕೃಷಿ ಹಾಗೂ ತೋಟಗಾರಿಕೆಗೆ ಬಳಸುವ ಉಪಕರಣಗಳ ಸಾಗಾಣಿಕೆ ಚಲನವಲನಗಳು.

ಪ್ರಸ್ತುತ ದೇಶದೆಲ್ಲೆಡೆ ಲಾಕ್‌ಡೌನ್ ಇರುವಾಗ, ಈ ರಿಯಾಯಿತಿಗಳು ಕೃಷಿ ಹಾಗೂ ಪೂರಕ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳು ಅನಿರ್ಬಂಧಿತವಾಗಿ ಸಾಗಲು ಸಹಾಯ ಮಾಡುತ್ತವೆ ಹಾಗೂ ಅಗತ್ಯ ಸಾಮಾಗ್ರಿಗಳು ಕೃಷಿಕರಿಗೆ ದೊರೆತು, ಅವರು ಅನಗತ್ಯ ತೊಂದರೆಗೆ ಸಿಲುಕದಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತವೆ. ಅಗತ್ಯ ಆದೇಶಗಳನ್ನು ಸಂಬಂಧಿತ ಮಂತ್ರಾಲಯಗಳಿಗೆ, ರಾಜ್ಯ ಸರ್ಕಾರ ಇಲಾಖೆಗಳಿಗೆ ಹಾಗೂ ಕೇಂದ್ರಾಡಳಿತ ಪ್ರದೇಶಗಳ ಇಲಾಖೆಗಳಿಗೆ ಮೇಲಿನ ರಿಯಾಯಿತಿಗಳನ್ನು ಜಾರಿಗೆ ತರಲು ಈಗಾಗಲೇ ನೀಡಲಾಗಿದೆ.

* (ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರದ ಗೃಹ ಮಂತ್ರಾಲಯದ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳು, ನಂ.40–3/2020–DM-I(A) ದಿನಾಂಕ 24, 25, ಹಾಗೂ 27 ಮಾರ್ಚ್, 2020 ಉಪನಿಯಮಾವಳಿಗಳಾದ 2, 4, 5 ಹಾಗೂ 6 ಇವುಗಳಿಗೆ ಸೇರಿದಂತೆ, ಅಗತ್ಯಕ್ಕನುಸಾರವಾಗಿ, ಕೃಷಿ ಹಾಗೂ ಕೃಷಿಕರ ಕ್ಷೇಮಾಭಿವೃದ್ಧಿ ಮಂತ್ರಾಲಯ, ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರ ಇದರ ಕೋರಿಕೆಯ ಮೇರೆಗೆ).

ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರದ ನಿಯಮ ನಿರ್ದೇಶನಗಳಿಗನುಸಾರವಾಗಿ, ರಾಜ್ಯ ಸರ್ಕಾರಗಳ ವಿವಿಧ ಮಂತ್ರಾಲಯಗಳೂ/ಇಲಾಖೆಗಳು ಅಗತ್ಯ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳನ್ನು ಜಾರಿಗೆ ತರಲು ಆದೇಶಗಳನ್ನು ನೀಡಿದ್ದು, ಕೃಷಿ ಹಾಗೂ ಪೂರಕ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳು ನಿರಂತರವಾಗಿ ಸಾಗಲು ಸಹಾಯ ಮಾಡಲಿವೆ.

ಕೃಷಿಕರಿಗೆ ಸಲಹೆಗಳು:

ಬೆಳೆಗಳ ಕೊಯ್ಲು ಹಾಗೂ ಒಕ್ಕಣೆ:

ಕೋವಿಡ್–19 ವಿಷಮ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಯ ನಡುವೆ ಹಿಂಗಾರಿನ ಬೆಳೆಗಳು ಕೊಯ್ಲಿನ ಹಂತಕ್ಕೆ ಬಂದಿರುತ್ತವೆ. ಈ ಸನ್ನಿವೇಶದಲ್ಲಿಯೇ ಕೃಷಿ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗೆ ಸಾಗಿಸುವುದು ಅನಿವಾರ್ಯ ಅಗತ್ಯಗಳಲ್ಲೊಂದು. ಏಕೆಂದರೆ ಈ ಎಲ್ಲಾ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳು ಸಂದರ್ಭಾನುಸಾರ ಕಾಲಕ್ಕೆ ತಕ್ಕಂತೆ ಮಾಡಬೇಕಾದವು. ಆದರೆ, ಕೃಷಿಕರು ಕೆಲವು ಅತ್ಯಂತ ಅಗತ್ಯ ಮುಂಜಾಗ್ರತಾ ಹಾಗೂ ಸುರಕ್ಷತಾ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಅನುಸರಿಸಿ, ಈ ಭೀಕರ ರೋಗದ ಪ್ರಸಾರ ತಡೆಗಟ್ಟಲೇಬೇಕು. ಸರಳ ಮಾರ್ಗಗಳಾದ, ಸಾಮಾಜಿಕ ದೂರವಿರುವಿಕೆ, ವೈಯಕ್ತಿಕ ಶುಚಿತ್ವವನ್ನು ಆಗಾಗ್ಗೆ ಕೈಗಳನ್ನು ಸಾಬೂನಿನಿಂದ ತೊಳೆದುಕೊಳ್ಳುವುದರಿಂದ ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು, ಮುಖ ಗವುಸು ಧರಿಸುವುದು, ಸುರಕ್ಷಿತ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು

ಧರಿಸುವುದು (ಪೂರ್ಣ ದೇಹ ಮುಚ್ಚುವಂಥಹ), ಹಾಗೂ ಯಂತ್ರೋಪಕರಣಗಳನ್ನು ತೊಳೆದು ಶುದ್ಧವಾಗಿಟ್ಟುಕೊಳ್ಳುವುದು ಇವುಗಳನ್ನು ತಪ್ಪದೇ ಪಾಲಿಸಬೇಕು. ಕೆಲಸಗಾರರು ಸುರಕ್ಷತಾ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಹಾಗೂ ಸಾಮಾಜಿಕ ದೂರವಿರುವಿಕೆಯನ್ನು ಕ್ಷೇತ್ರ ಮಟ್ಟದ ಪ್ರತಿ ಹಂತದ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳ ಕ್ರಿಯೆಯಲ್ಲಿ ತಪ್ಪದೇ ಪಾಲಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

- ಉತ್ತರ ಭಾರತದ ಅನೇಕ ರಾಜ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಗೋಧಿ ಬೆಳೆಯ ಕೊಯ್ಲು ಹತ್ತಿರ ಬಂದಿದೆ ಮತ್ತು ಅದಕ್ಕಾಗಿ ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಸಂಯುಕ್ತ ಕೊಯ್ಲು ಯಂತ್ರಗಳ ಸಾಗಾಟಕ್ಕೆ ಅನುಮತಿ ನೀಡಲಾಗಿದೆ (ಒಳ ಹಾಗೂ ಹೊರ ರಾಜ್ಯಗಳಿಂದ ಕೂಡ). ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಯಂತ್ರಗಳ ರಿಪೇರಿ, ನಿರ್ವಹಣೆ ಹಾಗೂ ಕೊಯ್ಲು ಕಾರ್ಯಮಾಡುವ ಕಾರ್ಮಿಕರ ಸುರಕ್ಷತೆ ಹಾಗೂ ಮುಂಜಾಗ್ರತೆ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ತಪ್ಪದೇ ಗಮನಿಸಬೇಕು.
- ಸಾಸಿವೆ, ಹಿಂಗಾರು/ಚಳಿಗಾಲದ ಮತೊಂದು ಪ್ರಮುಖ ಬೆಳೆ ಮತ್ತು ಅದರ ಕೊಯ್ಲು ಕೆಲಸಗಾರಿಂದ ಆರಂಭಗೊಂಡಿದ್ದು, ಕೆಲವೆಡೆ ಕೊಯ್ಲು ಮುಗಿದು ಒಕ್ಕಣೆ ಮಾತ್ರ ಬಾಕಿ ಉಳಿದಿದೆ.
- ಕಬ್ಬು ಬೆಳೆಯ ಕೊಯ್ಲು ಚುರುಕುಗೊಂಡಿದ್ದು, ಸದ್ಯದಲ್ಲಿಯೇ ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಕಾರ್ಮಿಕರಿಂದ ಬಿತ್ತನೆ ಕಾರ್ಯವೂ ಆರಂಭಗೊಳ್ಳಲಿದೆ.
- ಹೊಲದ ಬೆಳೆಗಳು, ಹಣ್ಣುಗಳು, ತರಕಾರಿಗಳು, ಮೊಟ್ಟೆಗಳು ಹಾಗೂ ಮೀನುಗಳ ಕೊಯ್ಲಿನಲ್ಲಿ ತೊಡಗಿರುವ ಕೆಲಸಗಾರರು ವೈಯಕ್ತಿಕ ಶುಚಿತ್ವ ಮತ್ತು ಸಾಮಾಜಿಕ ದೂರವಿರುವಿಕೆಯನ್ನು ಕೊಯ್ಲಿನ ಪ್ರಕ್ರಿಯೆಯ ಪ್ರತಿ ಹಂತದಲ್ಲಿಯೂ ಪಾಲಿಸತಕ್ಕದ್ದು.
- ಕಾರ್ಮಿಕರೇ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡುವ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ, ಒಂದು ಸಾಲಿನಿಂದ ಇನ್ನೊಂದು ಸಾಲಿಗೆ 4–5 ಅಡಿ ಅಂತರ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳುವಂತೆ ಕೆಲಸಗಾರರಿಗೆ ಸೂಚಿಸಬೇಕು, ಇದರಿಂದ ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಅಂತರವನ್ನು ಇಬ್ಬರು ಕಾರ್ಮಿಕರ ನಡುವೆ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ.
- ಈ ಕಾರ್ಯ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳಲ್ಲಿ ತೊಡಗಿರುವವರೆಲ್ಲ ಆಗಾಗ್ಗೆ ಕೈಗಳನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛಗೊಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು ಹಾಗೂ ಮುಖ ಗವಸವನ್ನು ತಪ್ಪದೇ ಧರಿಸಿರಬೇಕು.
- ವ್ಯಕ್ತಿಯಿಂದ ವ್ಯಕ್ತಿಗೆ 3–4 ಅಡಿಗಳ ಅಂತರವನ್ನು ವಿಶ್ರಾಂತಿ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, ಆಹಾರ ಸೇವನೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ, ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವಾಗ, ಇಳಿಸುವಾಗ/ಹೊತ್ತೊಯ್ದು ಅಡಕಿಸುವಾಗ ಹೀಗೆ ಪ್ರತಿ ಹಂತದಲ್ಲೂ ಸುರಕ್ಷಿತಾ ದೃಷ್ಟಿಯಿಮದ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಸಾಧ್ಯವಾದ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಕ್ಷೇತ್ರಚಟುವಟಿಕೆಗಳನ್ನು ವಿಂಗಡಿಸುತ್ತಾ ನಿರ್ವಹಿಸಲು ಯೋಜಿಸಿ ಮತ್ತು ಒಂದೇ ದಿನ ಹೆಚ್ಚು ಕೆಲಸಗಾರರನ್ನು ನಿಯೋಜಿಸುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ.
- ಸಾಧ್ಯವಾದ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಪರಿಚರಸ್ಥ ಕೆಲಸಗಾರರನ್ನಷ್ಟೆ ಕ್ಷೇತ್ರ ಕಾರ್ಯಗಳಿಗೆ ಪೂರ್ಣ ವಿಚಾರಿಸಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. ಏಕೆಂದರೆ, ಅಪರಿಚಿತ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು ರೋಗಾಣು ವಾಹಕರಾಗಿರಬಹುದಾದ ಸಾಧ್ಯತೆಗಳಿರುತ್ತವೆ. ಆರೋಗ್ಯವಂತ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳನ್ನಷ್ಟೆ ನಿಯೋಜಿಸಿ.
- ಎಲ್ಲೆಲ್ಲಿ ಸಾಧ್ಯವೋ, ಅಂತಹ ಕೆಲಸಗಳಿಗೆ ಕಾರ್ಮಿಕರ ಬದಲು ಯಂತ್ರೋಪಕರಣಗಳ ಸಹಾಯವನ್ನು ಪಡೆದು ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸಿ. ಈ ಯಂತ್ರಗಳ ನಿರ್ವಹಣೆಗೆ ಅಗತ್ಯವಿರುವ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳಷ್ಟೆ ಇದ್ದರೆ ಸಾಕು.
- ಎಲ್ಲಾ ಯಂತ್ರೋಪಕರಣಗಳು ಕಾರ್ಯಾರಂಭಕ್ಕೆ ಮುನ್ನು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ಶುದ್ಧಗೊಳ್ಳಬೇಕು. ಸಾಗಾಣ ವಾಹನಗಳು, ಗೋಣಿ ಚೀಲಗಳು ಅಥವಾ ಇನ್ನಾವುದೇ ಸಾಮಾಗ್ರಿಗಳನ್ನು ಅಡಕಗೊಳಿಸುವ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳಿಂದ ಶುದ್ಧಗೊಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಂಗ್ರಹಣೆಯನ್ನು ಚಿಕ್ಕ ಚಿಕ್ಕ ಗುಡ್ಡೆಗಳನ್ನು 3–4 ಅಡಿಗಳಿಗೊಂದರಂತೆ ಮಾಡಬೇಕು ಹಾಗು ಒಂದು ಗುಡ್ಡೆಗೆ (1–2 ಕೆಲಸಗಾರರನ್ನು ಮಾತ್ರ) ನೇಮಿಸಬೇಕು (ದೊಡ್ಡ ಗುಂಪಿನ ಬದಲು).
- ಮೆಕ್ಕೆಜೋಳ ಹಾಗೂ ಶೇಂಗಾ ಬೆಳೆಗಳ ಒಕ್ಕಣೆಗೆ ಬಳಸುವ ಯಂತ್ರಗಳ ಶುದ್ಧೀಕರಣ ಹಾಗೂ ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕಗಳಿಂದ ಶುದ್ಧತೆಯನ್ನು ತಪ್ಪದೇ ಮಾಡಬೇಕು. ಅದರಲ್ಲೂ ಹಂಚಿಕೊಂಡು ಅಥವಾ ರೈತ ಸಮೂಹದಲ್ಲಿ ಬಳಸುವ ಯಂತ್ರಗಳಾಗಿದ್ದಲ್ಲಿ, ಶುದ್ಧೀಕರಣ ಕ್ರಿಯೆ ಮತ್ತಷ್ಟು ಅಚ್ಚುಕಟ್ಟಾಗಿ ಮಾಡಬೇಕು. ಪದೇ ಪದೇ ಮುಟ್ಟಬೇಕಾದ ಯಂತ್ರದ ಭಾಗಗಳನ್ನು ಹೆಚ್ಚು ಸೋಪು ಮತ್ತು ನೀರಿನಿಮದ ಶುದ್ಧಗೊಳಿಸಬೇಕು.

ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಕೊಯ್ಲೋತ್ತರ, ಸಂಗ್ರಹ ಹಾಗೂ ಮಾರಾಟ:

- ಕ್ಷೇತ್ರ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಒಣಗಿಸುವಾಗ, ಒಕ್ಕಣಿಸುವಾಗ, ತೂರುವಾಗ, ಸ್ವಚ್ಚಗೊಳಿಸುವಾಗ, ಬೇರ್ಪಡಿಸುವಾಗ, ಚೀಲಗಳಲ್ಲಿ ಕಟ್ಟಿಡುವಾಗ, ಮುಖಗವಸನ್ನು ತಪ್ಪದೇ ಧರಿಸುವುದರಿಂದ ಸಣ್ಣ ಧೂಳಿನ ಕಣಗಳು ಹಾಗೂ ಅತಿ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ತೇವಾಂಶಭರಿತ ಕಣಗಳು ಉಸಿರಾಟದ ತೊಂದರೆ ಮಾಡುವುದನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ.
- ಕ್ಷೇತ್ರ/ಮನೆಗಳಲ್ಲಿ ಸಮರ್ಪಕವಾಗಿ ಒಣಗಿಸುವಿಕೆಯ ನಂತರವೇ ಧವಸ ಧಾನ್ಯ, ಬೇಳೆಕಾಳುಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹ ಮಾಡಿ ಕಟ್ಟಿಡಬೇಕು. ಕ್ರಿಮಿ ಹಾವಳಿ ತಡೆಯಲು (ಹಳೆಯ ಗೋಣಿ ಚೀಲಗಳನ್ನು) ಪ್ರತಿಶತ 5ರ ಬೇವಿನ ದ್ರಾವಣದಲ್ಲಿ ಅದ್ದಿ, ಒಣಗಿಸಿ ಬಳಸಬೇಕು.
- ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಮುಂಜಾಗ್ರತಾ ಕ್ರಮಗಳೊಂದಿಗೆ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಗೋಣಿ ಚೀಲಗಳಲ್ಲಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಬಹುದು. ಅಥವಾ ಸಮೀಪದ ಶೈತ್ಯಾಗಾರ/ಗೋದಾಮುಗಳಲ್ಲಿಯಾದರೂ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಶೇಖರಿಸಬಹುದು (ಒಳ್ಳೆಯ ಬೆಲೆ ಬರುವ ತನಕ).
- ಅಗತ್ಯ ವೈಯಕ್ತಿಕ ಸುರಕ್ಷತಾ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಅಡಕ, ಸಾಗಣೆ, ಹಾಗೂ ಮಾರುಕಟ್ಟೆ/ಹರಾಜು ಕಟ್ಟೆಗಳಲ್ಲಿ ಮಾರಾಟ ಪ್ರಕ್ರಿಯೆಯಲ್ಲಿ ತೊಡಗಿರುವಾಗ ತಪ್ಪದೇ ಪಾಲಿಸಬೇಕು.
- ಬೀಜೋತ್ಪಾದನೆ ಮಾಡುವ ಕೃಷಿಕರು ಉತ್ಪಾದಿಸಿದ ಬೀಜಗಳನ್ನು (ಸೂಕ್ತ ದಾಖಲೆಗಳೊಂದಿಗೆ) ಸಾಗಾಣೆ ಹಾಗೂ ಕಂಪನಿಗಳಿಗೆ ಮಾರಾಟ ಮಾಡಲು ಅನುಮತಿ ಇದೆ. ಮಾರಿದ ಬೀಜಗಳಿಗೆ ಹಣವನ್ನು ಪಡೆಯುವಾಗ ಮುಂಜಾಗ್ರತ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಅನುಸರಿಸಬೇಕು.
- ಬೀಜ ಸಂರಕ್ಷಣೆ/ಪ್ಯಾಕಿಂಗ್ ಕಾರ್ಖಾನೆಗಳು ಕಾರ್ಯನಿರ್ವಹಿಸುವುದು ಹಾಗೂ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಬೀಜೋತ್ಪಾದನೆ ಮಾಡಿದ ರಾಜ್ಯಗಳಿಂದ ಅವುಗಳನ್ನು ಬೆಳೆಗಳಾಗಿ ಬೆಳೆಯುವ ರಾಜ್ಯಗಳಿಗೆ (ಉದಾಹರಣೆಗೆ ದಕ್ಷಿಣದಿಂದ ಉತ್ತರಕ್ಕೆ) ಬರುವ ಮುಂಗಾರಿಗೆ ದೊರಕುವಂತೆ ಸಾಗಾಣೆ ಮಾಡಬೇಕಾಗಿರುವುದು ಅತ್ಯಂತ ಅಗತ್ಯವಾಗಿದೆ. **ಉದಾ:** ಎಸ್ಎಸ್‌ಜಿ ಹಸಿರು ಮೇವಿನ ಬೀಜ ದಕ್ಷಿಣದಿಂದ ಉತ್ತರದ ರಾಜ್ಯಗಳಿಗೆ ಏಪ್ರಿಲ್‌ನಲ್ಲಿ ಬಿತ್ತನೆಗೆ ದೊರಕಬೇಕು.
- ಟೊಮ್ಯಾಟೊ, ಕೋಸು, ಹಸಿರೆಲೆ ತರಕಾರಿಗಳು, ಸೌತೇಕಾಯಿ ಮತ್ತಿತರ ಬಳ್ಳಿ ತರಕಾರಿಗಳನ್ನು ನೇರ ಮಾರಾಟಕ್ಕೆ ಕಳುಹಿಸುವಾಗ ಅಗತ್ಯ ಮುಂಜಾಗ್ರತಾ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಅನುಸರಿಸಬೇಕು.

ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತಿರುವ ಬೆಳೆಗಳು:

- ಗೋಧಿ ಬೆಳೆದಿರುವ ಪ್ರಚಲಿತ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲೀಗ ಉಷ್ಣತೆಯು ದೂರಗಾಮಿ ಸರಾಸರಿಗಿಂತ ಕಡಿಮೆ ಇರುವುದರಿಂದ, ಗೋಧಿಯ ಕೊಯ್ಲನ್ನು ಕನಿಷ್ಟ 10–15 ದಿನಗಳಾದರೂ ತಡವಾಗಲಿದ್ದು, ಏಪ್ರಿಲ್ 10 ಅನ್ನು ದಾಟಬಹುದು. ಆದುದರಿಂದ, ಕೃಷಿಕರು ಗೋಧಿ ಬೆಳೆಯ ಕೊಯ್ಲನ್ನು ಏಪ್ರಿಲ್ 20ರ ನಂತರ ಯಾವುದೇ ನಷ್ಟ ಅನುಭವಿಸದೆ ಮಾಡಬಹುದು. ಇದರಿಂದ ಸಾಕಷ್ಟು ಸಮಯಾವಕಾಶವೂ ದೊರೆಯಲಿದ್ದು, ಉಳಿದ ತಯಾರಿಗಳನ್ನು ಪರಿಣಾಮಕಾರಿಯಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬಹುದು ಮತ್ತು ಸೂಕ್ತ ಸಮಯವನ್ನು ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ನಿರ್ಧರಿಸಿಕೊಳ್ಳಬಹುದು.
- ಅನೇಕ ದಕ್ಷಿಣ ರಾಜ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಚಳಿಗಾಲದ ಭತ್ತವು ಕಾಳು ತುಂಬುವ ಹಂತದಲ್ಲಿದ್ದು, ಕತ್ತು ಕೊಳೆ ರೋಗಕ್ಕೆ ಸಿಲುಕಿದೆ. ಇದಕ್ಕೆ ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕದ ಸಿಂಪಡನೆ ಮಾಡುವಾಗ ಸೂಕ್ತ ಮುಂಜಾಗ್ರತಾ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಅನುಸರಿಸಬೇಕು.
- ಅಕಾಲ ಮಳೆಯೇನಾದರೂ ಬಂದರೆ, ಪ್ರತಿಶತ 5ರ ಉಪ್ಪಿನ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಭತ್ತಕ್ಕೆ ಸಿಂಪಡಿಸುವುದರಿಂದ, ಭತ್ತದ ಕಾಳು ಮೊಳಕೆ ಒಡೆಯುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಬಹುದು.
- ತೋಟಗಾರಿಕಾ ಬೆಳೆಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರಮುಖವಾಗಿ ಮಾವಿನ ಬೆಳೆ ಕಾಯಿ ಕಟ್ಟುವ ಹಂತದಲ್ಲಿದ್ದು, ಪೋಷಕಾಂಶಗಳ ಸಿಂಪರಣೆ ಹಾಗೂ ಅಗತ್ಯ ಸಸ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣಾ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಕೈಗೊಳ್ಳಬೇಕಾಗಿದೆ. ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಬಳಸುವ

ಸಾಮಾಗ್ರಿಗಳ ಮಿಶ್ರಣ, ಸಿಂಪರಣೆ ಹಾಗೂ ಉಪಕರಣಗಳ ಶುದ್ಧೀಕರಣದ ಬಗ್ಗೆ ಅಗತ್ಯ ಮುಂಜಾಗ್ರತೆಯನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು.

- ಬೇಸಿಗೆಯ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಭತ್ತದ ಗದ್ದೆಗಳಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯುವ ಬೇಳೆ ಕಾಳುಗಳಲ್ಲಿ ಬಿಳಿನೊಣದ ನಿರ್ವಹಣೆಯನ್ನು ಸೂಕ್ತ ಮುಂಜಾಗ್ರತೆಯೊಂದಿಗೆ ಮಾಡುವುದರಿಂದ ಹಳದಿ ಮೊಸಾಯಿಕ್ ವೈರಾಣು ರೋಗವನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟಬಹುದು.

KI KYNDON NA KA BYNTA KI NONGREP BAD KI BYNTA JONG KA REP KA RIANG HA KANE KA POR BA KHANG NA KA DAW JONG U KHNINAG JINGPANG CORONA VIRUS (COVID-19)

Ki kyndon jong ka sorkar India*

Ki kam hapoh ka rep ka riang kiba lait naka jing pakhang shnong

i. Ki Veterinary Hospital
ii. Ki agency kiba thied ia ki tiar kiba donkam ha ka rep ka riang kaba kynthup lang ia ki ophis ba pyntrei ia ka MSP
iii. Ki Mandis ne ki iew kiba die ia ki mar rep kum ki jhur, ki soh bad kiwei kiwei de kiba lah pyniaid da ka Agriculture Produce Market Committee ne kaba la ai jingbit ne jingbthah da ka sorkar Meghalaya
iv. Ki jingtrei jong ki nongrep ha ki hali ne lynkha jong ki
v. Ki jaka buh ia ki tiar kum ka power tiller, ki pump bad kiwei kiwei de kiba ki nongrep ki ju pyndonkam ha ka por ba ki rep
vi. Ki jaka kiba shna bad kiba pynmih ia ki sboh dawai, ki dawai pyniap khniang bad ki symbai
vii. Ka jingkit ia ki tiar ne machine na kawei ka jaka sha kawei pat hapoh ka jylla kiba pyndonkam ha ka por ot bad thung kum ka combined harvester bad kiwei kiwei de ki tiar kiba ju donkam ha ka por rep

Ia kine ki kyndon kiba lah kdew haneng yn ym khang kum ha kane ka por, khnang ba ki nongrep jong ngi kin nym shem jingeh. Ka jingtip ne jingbthah lah phah ruh sha ki minister/ki department ki bapher bapher jong ki jylla baroh ban pyntreikam ha kum kane ka por.

*(ki kyndon jong ka ministry ka kam poh iing, Goi vide No. 40-3/2020-DM-I (A) tarik 24th ,25th bad 27th Lber, 2020 bad ki Clause 2,4,5 bad 6 kumba lah kyrpad da ka Ministry jong ka rep ka riang -Ministry of Agriculture and Farmer's Welfare, Goi)

Kat kum ka jingbthah ka sorkar India , ki minister bad ki department bapher bapher jong ka jylla Meghalaya ki lah ioh jingtip ban pyntreikam ia kine ki kyndon ba lah kdew haneng bad ba ki kam baroh kiba ia snoh bad ka rep ka riang kin ym sangeh kum ha kane ka por.

Ka jingbthah na ka bynta ki nongrep

Ka por ot ia ki jingthung

Kum ha kane ka por ba khang na ka daw jong u khniang jingpang corona, don ki jingthung kiba lah dei ka por ban kheit ne ot. Ka jingkheit ne ot ia kum kine ki jingthung kaba kynthup ruh ia ka jingleit die sha ki iew ka long kaba eh namar ka rep ka riang ka iaid ryngkat bad ka por. Hynrei ki nongrep ki dei ban phikir bha khnang ba une u khniang un ym saphriang. Ki nongrep ki lah ban iada ialade na une u khniang da kaba ieng jngai iwei na iwei bad pyrshang ban nym ialum lang ha kajuh ka jaka, ki dei ruh ban lehkhuid da kaba sait bha ia ki kti da ka sabon, deng mask, phong ki jain kiba lah ban iada na une u khniang bad da

kaba sait khuid bha ia ki tiar kiba pyndonkam ha ka por rep. Baroh ki nongrep ki dei ban bud ia kine ki lad ban iaid na une u khniang jingpang bad pyrshang ban nym ialum lang ha ka juh ka jaka bad ban ieng jngai iwei na iwei kumba shi metre (1m) eiei ha man la ki por.

- Ka lah dei ruh ka por ban ot ia u kew ha ka thain shatei lam mihngi jong ka ri India da kaba pyndonkam da ki machine kum ka combine harvester bad lah shah ban kit ia kine machine na kawei ka jylla shawei ka jylla. Dei ban phikir bha bad bud ia ki lad ban iada na kane ka jingpang khamtam ia kito ki briew ki ba shna bad pyndonkam ia kine ki machine.
- Ka jingot ia u tyrso umphniang ka dang iaid hynrei ia ka jingshoh ia u ka dang sah teng ha ki jaka ba lah dep ot.
- Ka jingot ia u dai, u riewhadem bad u sohmynken ka dang iaid shaphrang bad ka lah jan dei ka por ban ot ia u shana.
- Ka lah dei ruh ka por ban ot ia u pai bad ka lah dei ka por thung sha ka thain shatei lam mihngi jong ka ri India.
- Baroh ki nong ot bad kiba lum ia ki mar rep, jhur, soh, pylleng bad dohkha ki dei ban bud ia ka jinglehkhuid shimet bad ka jing jngai iwei na iwei ha ka por ba leh bad hadien ba dep ka ki kam na lyngkha.
- Hapor ba trei kam ha lyngkha, dei ban shna ki nur kiba jngai 4-5 phut bad ban trei iwei i briew ha kawei ka nur. Kane kan pyntikna ban biang ka jingjngai iwei na iwei.
- Baroh ki dei ban deng ia ki mask bad ban thed ia ki kti bunsien.
- Pyntikna ban pynjngai iwei na iwei kumba 3-4 phut ha ka por shongthait, por bam bad por rah ki mar.
- Ia bynta ki kam ha lyngkha katba lah khnang ban pynduna ka jing bun briew ha lyngkha.
- Pyntrei da ki brew ba ithuh lane ki briew ba biang hadien ba lah dep kylli bniah ban kiar na ka jingrung ki briew ki ba rah ia u khniang jingpang.
- Pyn donkam da ki tiar machine ha ki jaka ba lah. Tang ki briew ba donkam kidei ban don hajan ka machine.
- Baroh ki machine ki dei shah pyn khuid ha baroh ki jaka rung bad man lah ka kato katne sngi. Baroh ki kali kit mar, borni bad kiwei kiwei ki tiar ba pyndonkam ban kit mar ki dei ban long kiba khuid.

Ki mat ban phikir hadien ba lah dep kheit lane ot bad ha kaba die ia ki mar rep:

- Haba thad, shoh lane dung, tai ne peh, pynkhuid, pynbynta lane pyniakhlad bad haba song ia ki mar rep ha ki lum ne ki jaka rep jong phi da kynmaw ban iada ialade da kaba sop bha khamtam ia ka khmut bad shyntur da kaba deng da ki *mask*. Kane kan pyllait na ka jingrung jong ki pui pui bad kiwei kiwei ki phngit kiba lah ban ktah ia ka rukom ring bad pynhiar mynsiem jong ngi ki briew.
- Dei ban thad rkhiang bha ia ki shyieng, u krai ne ki kynja dai shua bad kiar ia kaba buh ia ki ha ki byrni ne song ba lah ju pyndonkam khnang ban pynduna ia ka jinglyngshop jong ki khniang ne jingpang. Donkam ruh ban pynkhuid ia ki byrni ne pla song da kaba pyndonkam da ka dawai *neem* bal ah khleh lang bad ka um.
- Dei ban da phikir bha shua ban song ia ki mar rep ha ki byrni khamtam ia kito kiba donkam ban buh ha ki iing daithah *(cold storage)/ kudam.*

- Dei ban bud pyrkhing ia ki jingbthah ha kaba iadei bad ka khuid ka suba ban iada na kino kino ki jait jingpang ha ka por ba kyntiew ne pynhap ia ki mar rep ha iew ha hat ne ha kano kano ka rynsan ia die ia thied.
- Uno uno u nongrep u don ka hok khlem kano kano ka jingpyrkhing da ka ain ha kaba iadei bad ka jingshalan ia ki symbai sha kino kino ki kompani, hynrei dei ban pynbiang ia ki kot ki sla ba pura na ka bynta kane. Dei ban husiar bad phikir bha ruh ha ka por ba pyndep ia ka jingsiew ia ki pisa ki pilain.
- Kam don ka jingkhang ia ka jingshalan ia ki symbai da ki jaka pynmih symbai *(seed processing/ packaging plants).* Kane kan iarap shibun ia ki nongrep ha kaba ki lah ban ioh ia u symbai ha ka aiom kaba biang bad dei por.
- Dei ban phikir bad bud pyrkhing ia ki jingbthah jong ki bor pyniaid ain ha kaba ia dei bad ka jingdie marmet ia ki mar rep kyrpang ia ki jhur kum u sohsaw, phul kubi, sla jyrngam, sohkhia bad kiwei kiwei.

Ia ki Jingthung ba don ha lyngkha

- Ka jing syaid ha ki jaka ba rep ia u kew ki dang kham duna ban ia kaba ju long mynshuwa, te ki nongrep ki lah ban ot ia u kew hadien 10-15 sngi palat ka 10 tarik u bnai Iaiong. Ki nongrep ki lah ban ot haduh ka 20 tarik u Iaiong ban lait na jing duhnong, bad kan ai por ban pyn beit ban pyn iad iew ia u mar.
- Ban lait naka jing julor ka jingpang thoh rew ha u kba, donkam ban husiar ha ka por synriet dawai.
- Lada ja ba ka slap ha ka por ot kba, synreit 5% ka um-mluh ban lait naka sbeh.
- Ia ki jhur lane soh ba dei por seisoh kum u soh pieng, ha ka por ba synreit dawai dei ban peit bniah por ba khleh dawai, ba ber bad pynpoi ia ki dawai bad kumjuh ruh ban sait bniah ia ki tiar ba pyndonkam.
- Ha ka por lyiur, ia ki kynja dai ha lyngkha, dei ban phikir bad bud ia ki kyndon ki ban iarap ban jingiada na u khniang skain lieh ba pynioh iaka jingpang virus.

MALAYALAM

കോവിഡ് - 19 ലോക്ഡൗൺ പശ്ചാത്തലത്തിൽ കർഷകർക്കും കാർഷികമേഖലക്കുമുള്ള നിർദ്ദേശങ്ങൾ

കേന്ദ്ര സർക്കാർ നിർദ്ദേശങ്ങൾ *

*ലോക്ഡൗണിൽ നിന്നും ഒഴിവാക്കപ്പെട്ട കൃഷിയും അനുബന്ധ മേഖലകളും**

1) മൃഗാശുപത്രികൾ
2) കാർഷിക ഉൽപ്പന്നങ്ങളുടെ സംഭരണത്തിലും തറവില നിശ്ചയിക്കുന്നതിലും ഏർപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന ഏജൻസികൾ
3) സർക്കാർ അധീനതയിലുള്ള കാർഷിക ഉൽപ്പന്ന വിപണന കമ്മിറ്റിയുടെ നിയന്ത്രണത്തിലുള്ള കാർഷിക ചന്തകൾ
4) കർഷകരും കർഷകത്തൊഴിലാളികളും കൃഷിയിടത്തിൽ ചെയ്യുന്ന കൃഷിപ്പണികൾ
5) കാർഷിക ഉപകരണങ്ങൾ വാടകയ്ക്ക് കൊടുക്കുന്ന സ്ഥാപനങ്ങൾ
6) വിത്ത്, വളം, കീടനാശിനികൾ എന്നിവയുടെ ഉത്പാദനവും പാക്കേജിങും ചെയ്യുന്ന സ്ഥാപനങ്ങൾ
7) കൊയ്ത്ത്മെതിയന്ത്രം പോലുള്ള വിളവെടുപ്പ്, നടീൽ അനുബന്ധ കാർഷിക ഉപകരണങ്ങളുടെയും യന്ത്രങ്ങളുടെയും കയറ്റി കൊണ്ടുപോകലും അവയുടെ ഉപയോഗവും

മേൽസൂചിപ്പിച്ച പട്ടികയിലുള്ള സംവിധാനങ്ങൾ, കർഷകർക്ക് കാർഷികവൃത്തിയിൽ വേണ്ട അവശ്യസാധനങ്ങൾ ലഭ്യമാകുന്നു, എന്ന് ഈ ലോക്ഡൗൺ സമയത്ത് ഉറപ്പുവരുത്തുന്നു. ഇതിനായുള്ള നിർദേശങ്ങൾ സംസ്ഥാന സർക്കാരുകൾക്കും, വകുപ്പുതലങ്ങളിലും, കേന്ദ്രഭരണ പ്രദേശങ്ങളിലും ഈ സമയത്ത് നൽകിയിട്ടുണ്ട്.

**(ആഭ്യന്തര വകുപ്പ് നിർദ്ദേശപ്രകാരം ഓർഡർ നമ്പർ. 40-3/2020-DM-I(A) തീയതി 24th, 25th and 27th മാർച്ച്, കൂടാതെ കൃഷി കർഷകക്ഷേമ മന്ത്രാലയം അപേക്ഷപ്രകാരം ഇന്ത്യാ ഗവൺമെൻറ് ഒഴിവാക്കിക്കൊണ്ടുള്ള ക്ലോസ് 2,4,5 & 6)*

കേന്ദ്രസർക്കാർ പോളിസി നിർദേശപ്രകാരം സംസ്ഥാന സർക്കാരുടെ വിവിധ മിനിസ്ട്രി വകുപ്പുകൾക്ക് കാർഷിക മേഖലയിലെ ഈവിധ ജോലികൾ നടത്തി കൊണ്ടുപോകുവാൻ വേണ്ട നിർദ്ദേശങ്ങൾ നൽകിയിട്ടുണ്ട്.

കർഷകർക്കായുള്ള നിർദ്ദേശങ്ങൾ

വിളവെടുപ്പും വിള പരിപാലനവും

കോവിഡ് വ്യാപനത്തിനിടയിൽ കാർഷിക വിളകളുടെ വിളവെടുപ്പ് സമയമടുത്തിരിക്കുന്നു. വിളവെടുപ്പും വിള കൈകാര്യം ചെയ്യുന്നതും, അവ തക്കസമയത്ത് വിപണിയിലെത്തിക്കുന്നതും കാർഷിക മേഖലക്ക് സമയബന്ധിതമായി അനിവാര്യമാണ്. എന്നിരുന്നാലും കർഷകർ രോഗവ്യാപനത്തിന് എതിരെ സുരക്ഷിത മാനദണ്ഡങ്ങൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്. സാമൂഹിക അകലം പാലിക്കുക, സോപ്പ് ഉപയോഗിച്ച് കൈകൾ കഴുകുക, മുഖാവരണം ധരിക്കുക, സുരക്ഷാ വസ്ത്രങ്ങൾ ധരിക്കുക എന്നീ വ്യക്തി ശുചിത്വം പാലിക്കേണ്ട മാർഗ്ഗങ്ങളും, കാർഷിക യന്ത്രങ്ങളും, ഉപകരണങ്ങളും മറ്റും വ്യത്തിയായി സൂക്ഷിക്കുക തുടങ്ങിയ ലളിതമായ മാർഗ്ഗങ്ങളും അവലംബിക്കേണ്ടതാണ്. അതുപോലെതന്നെ കാർഷിക തൊഴിലാളികളും സുരക്ഷിത മാർഗങ്ങൾ സ്വീകരിക്കുകയും സാമൂഹിക അകലം പാലിച്ച് കാർഷികവ്യത്തിയിൽ ഏർപ്പെടുകയും ചെയ്യേണ്ടതാണ്.

* കൊയ്ത്ത്-മെതിയന്ത്രം ഉപയോഗിച്ചുള്ള ഗോതമ്പു വിളവെടുപ്പ് വടക്കേ ഇന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ അടുത്തുവരുന്നുണ്ട്. സംസ്ഥാനത്തിനകത്തും പുറത്തുമുള്ള യന്ത്രങ്ങളുടെ കയറ്റി കൊണ്ടുപോകലും, അവയുടെ ഉപയോഗവും അനുവദിക്കപ്പെട്ടിരിക്കുന്നു . യന്ത്രങ്ങളുടെ പ്രവർത്തനവും, നന്നാക്കലും -പരിപാലനവും നടത്തുന്ന തൊഴിലാളികളും എല്ലാവിധ സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങളും പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

* കടുക് വിളവെടുപ്പും നടന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു. വിളവെടുപ്പ് കഴിഞ്ഞ സ്ഥലങ്ങളിൽ അവയുടെ മെതിക്കൽ പ്രക്രിയ നടത്തേണ്ടതുണ്ട്.

* പയറുവർഗ്ഗവിളകൾ, ചോളം, പച്ചമുളക് എന്നിവയുടെ വിളവെടുപ്പും ആഗതമായിരിക്കുന്നു.

* കരിമ്പ് വിളവെടുപ്പ് ഇപ്പോൾ ഉച്ചസ്ഥായിയിൽ ആണ്. അതുപോലെതന്നെ വടക്കേ ഇന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ കരിമ്പ് നടേണ്ട സമയവുമാണ്.

* വയൽ വിളകൾ, പഴം-പച്ചക്കറി, മുട്ട, മത്സ്യം എന്നിവ വിളവെടുക്കുമ്പോഴും, വിളവെടുപ്പിനു ശേഷവും, വിള കൈകാര്യം ചെയ്യുമ്പോഴും വ്യക്തിശുചിത്വ മാനദണ്ഡങ്ങളും സാമൂഹിക അകലവും പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

* സ്വമേധയാചെയ്യുന്ന വിളവെടുപ്പുപോലെയുള്ള കാർഷിക പ്രവർത്തനങ്ങളിൽ 4-5 അടി അകലത്തിൽ ഓരോ ആൾക്കും ഓരോ വരി വെച്ച് നിയോഗിക്കാവുന്നതാണ്. ഇങ്ങനെ, ഓരോ കാർഷിക തൊഴിലാളിക്കുമിടയിൽ ആവശ്യത്തിനുള്ള അകലം ഉറപ്പാക്കാം.

* കാർഷിക ജോലികളിൽ ഏർപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന എല്ലാവരും മുഖാവരണം ധരിക്കുകയും, സോപ്പ് ഉപയോഗിച്ച് കൈ കഴുകുകയും ചെയ്യണം.

* വിശ്രമിക്കുമ്പോഴും, ഭക്ഷണം കഴിക്കുമ്പോഴും, വിള കൈമാറ്റം ചെയ്യുമ്പോഴും, കയറ്റിറക്ക് നടത്തുമ്പോഴും 4-5 അടി എന്ന സുരക്ഷിത അകലം പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

* ഒരേ ദിവസം തന്നെ കൂടുതൽ ആൾക്കാരെ നിയോഗിക്കാതിരിക്കുവാനായി കാർഷിക പ്രവർത്തനങ്ങൾ വിഘടിച്ചു നൽകുക.

* ഒരു നല്ല പരിധി വരെ സ്വയം പരിചയം ഉള്ളവരെയും, ന്യായമായ അന്വേഷണത്തിനു ശേഷം രോഗവാഹകരല്ല എന്ന് ഉറപ്പുള്ളവരെ മാത്രം കൃഷി പണിക്കായി നിയോഗിക്കുക.

* സാധ്യമായിടത്തെല്ലാം യന്ത്രവത്കരണം നടപ്പാക്കുക. യന്ത്രങ്ങൾ പ്രവർത്തിക്കാൻ വേണ്ടി അത്യാവശ്യത്തിനു മാത്രമുള്ള ആൾക്കാരെ നിയോഗിക്കുക.

* എല്ലാ യന്ത്രങ്ങളും പ്രവർത്തനാരംഭത്തിലും, കൃത്യമായ ഇടവേളകളിലും അണുവിമുക്തമാക്കേണ്ടതാണ്. എല്ലാ ചരക്കു വാഹനങ്ങളും, ചാക്കുകൾ മുതലായ മറ്റു പാക്കേജിംഗ് സാമഗ്രികളും അണുവിമുക്തമാക്കേണ്ടതാണ്.

* ഉൽപന്നങ്ങളുടെ ശേഖരം ചെറിയ കൂനകളായി 3-4 അടി അകലത്തിൽ ക്രമീകരിക്കേണ്ടതും, ഓരോ കുനയും കൈകാര്യം ചെയ്യുന്നതിനായി 1-2 ആൾക്കാരെ മാത്രം ചുമതലപ്പെടുത്തി തിരക്ക് ഒഴിവാക്കേണ്ടതുമാണ്.

* ചോളം, നിലകടല എന്നി വയ്ക്കുള്ള മെതിയന്ത്രങ്ങൾ കർഷകരും, കർഷക ഗ്രൂപ്പുകളും സഹകരിച്ച് ഉപയോഗിക്കുമ്പോൾ, അവ വ്യത്തിയാക്കിയതും, അണുവിമുക്തമാക്കിയതുമാണെന്ന് ഉറപ്പു വരുത്തേണ്ടതാണ്. യന്ത്രഭാഗങ്ങൾ കൂടെക്കൂടെ സോപ്പുപയോഗിച്ച് യഥേഷ്ടം കഴുകേണ്ടതുമാണ്.

കാർഷിക ഉൽപന്നങ്ങളുടെ വിളവെടുപ്പിനു ശേഷമുള്ള പ്രവർത്തനങ്ങളും സംഭരണവും, വിപണനവും

* കൃഷിയിടത്തിൽ വച്ച് ഉൽപന്നങ്ങൾ ഉണക്കി, മെതിച്ച്, പാറ്റി, ശുദ്ധീകരിച്ച്, തരം തിരിച്ച്, കെട്ടുകളാക്കുന്ന സമയം, പൊടിയുടെയും മറ്റു ദ്രാവക കണികകളുടെയും ഉപദ്രവം ഹേതുവായി ശ്വാസതടസ്സം ഉണ്ടാകാതിരിക്കുവാൻ മുഖാവരണം ധരിക്കുക.

* സംഭരണത്തിനു മുമ്പായി, വിളവെടുത്ത ധാന്യങ്ങൾ, ചെറു ധാന്യങ്ങൾ, പയർ വർഗ്ഗങ്ങൾ എന്നിവ കൃഷിയിടത്തിൽ / വീട്ടിൽ വച്ചു തന്നെ നന്നായി ഉണങ്ങിയിട്ടുണ്ടന്ന് ഉറപ്പു വരുത്തുക. കീടശല്യം ഒഴിവാക്കുന്നതിനായി മുൻ മുമ്പ് ഉപയോഗിച്ച ചണചാക്കുകൾ ഉപയോഗിക്കാതിരിക്കുക. 5% വീര്യമുള്ള വേപ്പിൻസത്ത് ലായനിയിൽ മുക്കി ശുദ്ധീകരിച്ച്, ഉണക്കിയ ചണ ചാക്കുകൾ മാത്രം ഉപയോഗിക്കുക.

* കൂടുതൽ വില കിട്ടുന്നതിനായി ഉൽപന്നം സ്വന്തം കൃഷിസ്ഥലത്തോ അടുത്തുള്ള ശീതീകരണികളിലോ, ഗോഡൗണുകളിലോ, വെയർഹൗസുകളിലോ സൂക്ഷിക്കേണ്ടതായി വന്നാൽ, ആവശ്യത്തിന് ചണചാക്കുകൾ കർഷകർക്ക് ലഭ്യമാക്കുകയും, മറ്റ് മുൻകരുതലുകൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടിയതുമാണ്.

* ഉൽപന്നത്തിൻ കയറ്റിറക്കു സമയങ്ങളിലും, ഗതാഗതത്തിലും, വിൽപ്പനയിലും ലേലത്തിലും പങ്കെടുക്കുമ്പോഴും ആവശ്യത്തിനുള്ള വ്യക്തി സുരക്ഷിതത്വ മാനദണ്ഡങ്ങൾ പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

* വിത്തുൽപാദനത്തിൽ ഏർപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന കർഷകർക്ക് അവരുടെ ഉൽപന്നം വിത്ത് കമ്പനികളിലേക്ക് സാക്ഷ്യപത്രം സഹിതം എത്തിക്കുവാൻ അനുമതി ഉണ്ടായിരിക്കുന്നതാണ്. തുക സ്വീകരിക്കുമ്പോഴും വേണ്ടിയ സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങൾ പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

* ഏപ്രിൽ മാസത്തിൽ വടക്കേ ഇന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ തീറ്റപ്പുൽ കൃഷിക്കുള്ള വിത്തു സംഭരണവും, കയറ്റി അയയ്ക്കലും (ദക്ഷിണേന്ത്യയിൽ നിന്നും ഉത്തരേന്ത്യയിലേയ്ക്ക്) ഈ കാലയളവിൽ അനിവാര്യമാണ്.

* കൃഷിയിടത്തിൽ നിന്നും തക്കാളി, കോളിഫ്ലവർ, ഇലവർഗ്ഗങ്ങൾ, വെള്ളരി വർഗ്ഗങ്ങൾ തുടങ്ങിയവ ഉപഭോക്താക്കളിലേയ്ക്ക് നേരിട്ട് എത്തിക്കുമ്പോൾ ആവശ്യമുള്ള സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്.

നിലവിലുള്ള വയൽവിളകൾ

* ഗോതമ്പ് വിളയിക്കുന്ന സ്ഥലങ്ങളിൽ താപനില ഇപ്പോഴും അനുയോജ്യമായതിലും താഴെയാണ്. അതിനാൽ വിളവെടുപ്പ് ഏപ്രിൽ മാസം 10-ന് ശേഷം, ഉദ്ദേശം 10-15 ദിവസത്തോളം വൈകാൻ സാധ്യതയുണ്ട്. ആയതിനാൽ, ഗോതമ്പ് കർഷകർക്ക് അധികം നഷ്ടമുണ്ടാകാതെതന്നെ ഏപ്രിൽ 20 വരെ വിളവെടുപ്പ് നീട്ടിവയ്ക്കാവുന്നതാണ്. ഈ സമയത്തിനുള്ളിൽ തീയതി നിശ്ചയിക്കുകയും ഗതാഗത സംവിധാനങ്ങൾ ഒരുക്കുകയും ചെയ്യാവുന്നതാണ്.

* ദക്ഷിണേന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ നെല്ലിൽ ധാന്യംനിറയുന്ന ഘട്ടത്തിൽ കരിച്ചിൽ രോഗം കാണപ്പെട്ടു വരുന്നു. കർഷകരോ, കരാർ അടിസ്ഥാനത്തിൽ തൊഴിലാളികളോ മരുന്നു തളിക്കുമ്പോൾ ആവശ്യമുള്ള മുൻകരുതലുകൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്.

* നെല്ലിൻ വിളവെടുപ്പ് സമയങ്ങളിൽ ഒറ്റപ്പെട്ട മഴയുടെ സാഹചര്യം ഉണ്ടായാൽ, നെല്ല് മുളയ്ക്കുന്നത് ഒഴിവാക്കാനായി 5% ഉപ്പ് ലായനി തളിക്കുക.

* മാവ് പോലുള്ള തോട്ടവിളകളിൽ ചെടിക്ക് ആവശ്യമായ മൂലകങ്ങളും മറ്റു മരുന്നുകൾ കൂട്ടുമ്പോഴും, തളിക്കുമ്പോഴും, ഉപകരണങ്ങൾ കഴുകി വയ്ക്കുമ്പോഴും വേണ്ടുന്ന സുരക്ഷാ ക്രമീകരങ്ങൾ ചെയ്യേണ്ടതാണ്.

* നെൽകൃഷിക്കു ശേഷം തരിശു ഭൂമിയിൽ നടത്തുന്ന പയർ വർഗ്ഗകൃഷിയെ ബാധിക്കാവുന്ന വൈറസ് നിയന്ത്രിക്കാൻ വെള്ളച്ചകൾക്കെതിരെ മരുന്നു തളിക്കുമ്പോൾ തൊഴിലാളികൾ എല്ലാ സുരക്ഷാ മുൻ കരുതലുകളും എടുത്തുവെന്ന് ഉറപ്പു വരുത്തണം.

MANIPURI

COVID -19 Lockdown মতমসিদা লৌমী ঈচিন-ঈনাওশিং অমদি লৌউ-শিংউ তৌবীরিবাশিংনা চৎকদবা ভরত সরকারগী চৎনা পথাপশিংঃ

লৌউ-শিংউবা অমদি মসিগা মান্নবা থবকশিং Lockdown না কোনশিল্লোইদবশিং

১। শা-শনগী লায়েংশং।

২। লৌউ-শিংউবগী পোৎথোক্ পুথোক্কদৌরিবা Agency শিং অমদি MSP Operations।

৩। মনা-মশিং য়োনফম্ Agriculture Produce Market Committee না চলাইবা নত্রগা State Government না অয়াবা পীবা মফমশিং।

৪। লৌমী ঈচিন-ঈনাওশিংনা লৌবুক্তা লৌউশিংউবগী থবক্ থৌরমশিং তৌবা।

৫। Farm Machinery গী রাইথোক্ - রাইশিন তৌফমশিং।

৬। তিলহাক হিদাক্, হার, মরু – মরূং শাফমশিং - য়োনফমশিং।

৭। লৌউশিংউবদা চংবা খুৎশু - খুৎলাইশিং পুথোক পুশিন তৌবা।

- মথক্কী ওরদর অসি Ministry of Home Affairs, Govt. of India, vide no. 40-3/2020DM-1(A) dated 24th , 25th and 27th , March 2020 addition to clauses 2, 4, 5 and 6 in exception based on request of the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, GOI.

লৌউ-শিংউ লৌমী ঈচিন্-ঈনাওশিংদা পীবা পাউতাক্ ঃ

মহী-মরোং খাওবা অমদি য়ৈবা-

নিংথমগী মহী-মরোং খাওবা অমদি য়ৈবা মতমদা তঙাইফদনা পাইখৎপিগদবা COVID-19 শনদোকপা থীংনবা চেকশিন্ থৌরাংশিং। Social Distancing মীওই অমগা-অমগা লাপনা লৈনবা। শাপোন্না খুৎ-শা শেংনা হামদোকপীবা, Mask উপশিনবীগদবনি। Protective ফিরোন শেৎপীবা, খুৎশু - খুৎলাইশিং শেংনা চামথোকপিবা।

- অৱাং ভারত্তা গেহু খাওবগী মতম ওইসিল্লকলবনিনা Combine Harvester State মনুংদা অমদি State অমগা-অমগগী চৎথোক্-চৎশিন্ তৌবগী অয়াবা পীজরে। Repair, Maintenance অমশুং খাওবদা হকথেংননা থবক্ শুরীবশিংনা চেকশিন থৌরাংশিং লৌখৎপীগদবনি।
- হংগাম অসি নিংথম্ মহৈ-মরোংগী অনিশুবা মরু ওইবা মহী-মরোংনি। খুৎনা খাওবা মতমনি অমদি য়ৈনবশু য়াওখরে।
- মশুরি, চুজাক্, মোরোক্ হৌজিক্ খাওনরি, চনাশু কাওবা মতম্ ওইশিল্লকলে।
- চুশু খাওনরি অমশুং অৱাং ভারত্তদি চু খাওবগী মতম ওইশিল্লকলে।

- ইশাগী চেকশিন্না লু-নান্না Social Distancing হায়রিবা থৌওং অসি মহৈ-মরোং, মনা-মশিং খাওবীরিবা, য়েরম্ম য়োনবিরিবা, লৌশিনবীরিবা, ঙা ফাবনাচিংবা মতমদা পাইখৎপিগদবনি।
- করিগুমবা খুৎনা খাওবা য়ৈবা তৌবা মতমদা ৪-৫ ফীট লাপনা থবক শুবিগনি। মসিনা থবক শুবিরিবাশিংদা লাপননা থবক্ শুবা ঙমহনগনি।
- থবক শুবীরিবা খুদিংমক্না Mask উপশিনবীগদবনি অমশুং মরক-মরকতা শাপোন্না খুৎ-শা শেংনা হামদোকপীগনি।
- পোথাবা মতম, চাবা-থকপা মতম, পোৎ হাপতোক্-হাপচিন্ তৌবাম মতমদা তঙাইফদনা ৪-৫ ফীট লাপননা তৌবিগনি।
- তঙাইফদবা থবক খকতমক শুবিগনি অমশুং মতম অমতদা মী য়াম্না থবক্ শুবীরৌইদবনি।
- থবক্ শুমিন্নবা মতমদা লাপ্না-লাপ্না শুবিগদবনি অমদি মী পুন্না-পুন্না শুরোইদবনি। শক্ খংনদবা মীগা পুন্না থবক্ শুমিন্নরোইদবনি।
- য়ারিবামখৈ Machine শিজিন্নবীয়ু। তঙাই ফদবা মীতমক্ Machine শিজিন্নবীয়ু।
- চংফমদা শিজিন্নরিবা Machine খুদিংমক্ হীদাক্ কাপথোকপিয়ু, মরক্-মরক্তশু অদুমমক্ হীদাক্ কাপথোকপিয়ু। গরিশিং, বোরানচিংবশু হীদাক্ কাপথোকপিয়ু।
- পোৎ-চৈ য়াম্না পৈশিনবীরোইদবনি অমশুং মপৈ অমগা-অমগা ৩-৪ ফীটতগী তাদনা লাপথোক্না পৈশিনবীগনি অমদি লৌবুক্তা থবক্ শুবদা মীওই ১-২ খকতমক্ শিজিন্নবীগনি।
- চুজাক্ লৈবাক্ হ্মাই খাওবদা শিজিন্নবা Machine শিং শেংনা হীদাক্ কাপথোকপিগনি অমদি শাপোন্না Machine শিং অদু চামথোকপীয়ু।

পোৎ-চৈ লিবা অমদি য়োনথোক্-য়োনশিন তৌবা ঃ

- কংহনবা, য়ৈবা, হুমবা, চামথোকপা, খনদোকপা অমদি য়োমশিনবা মতমদা Mask শিজিন্নবীয়ু। মসি শিজিন্নবনা শ্বর হোনবদা নুংঙাইতবা থোকহল্লিবা উফুল অমদি ফৎতা-হাওদি অমদি হক্থি কনবদা য়াওরকপা মহীক্-মতাইদগী ঙাকথোকপা ঙমগনি।
- মরু-মরাংশিং, হ্মাইনচিংবা লিদ্রিঙৈদা ফজনা কংহনবীগনি। হান্না শিজিননখ্রবা বোরা শিজিন্নরোইদবনি। নিম মহি চাদা ৫ গী মপাঙ্গল লৈবা ৫% দা তিংথোকপা, নিংথিজনা কংহল্লগা বোরাশিং শিজিন্নবিগনি। পোৎ-চৈ লিবদা শিজিনগদবা বোরাশিং মারাং কাইনা Cold Storage/Godown, অমদি Warehouse না চিংবা মনাক্তা ফংহনন্নবা হোৎনবিগনি মসিনা বোরাগী মামন খংহনবদা মতেং পাংগনি।
- পোৎ-চৈ হাপতোপ্-হাপচিন্ তৌবা হোনদোক্-হোনজিন্ তৌবা, য়োনবা মফমশিং, কৈথেল্, auction তৌফমশিং personal safety measures লৌখৎপিগদবনি।
- মরু-মরাং পুথোক্কিবা লৌমীশিংনা মরু-মরাংশিং Seed Company শিংদা পুথোক-পুশিন তৌবগী অয়াবা পীরি অমদি পৈশা লৌথোক্-লৌশিন তৌবদা চেকশিন থৌরাং লৌখৎপিগনি।

- Seed Processing, Packing plants অমদি Transportation seed পুখোকলিবা State শিংদগী Seed থাবীরিবা State শিং, South to North State শিংদা লাক্লীবা Kharif crop কীদমক্ ফংহনগদবনি। খুদম ওইনা SSG অশংবা শজিক্ অসি লাক্লীবা April থাদা থাগদৌরিবা অসি অহাং ভারত্তা খা ভারত্তগী State শিংদগী লাক্কদৌরিবনি।
- অশংবা মনা-মশিং খুদম ওইনা খামেন অশিনবা, কোবী লৈ, মোরোক্, মানা মশিং, থবী, খোংদুম মাইরেন্নচিংবা, য়োনথোক-য়োনশিন, পীথোক-পীশিন তৌবদা চেকশিনবীগনি।

মহৈ-মরোং ঃ

- গেহু হৌরিবা মফমশিংদা অইং-অশাগী চাং খরা নেম্না লৈবনা গেহু খাওবগী মতম য়ামদ্রবদা নুমিৎ ১০ নিদগী ১৫ নি April ১০গী মতুং ফাওবা চোনথনবগী ওইথোকপা লৈ। মরম অসিনা লৌমী ঈচিন-ঈনাওশিংনা April ২০ ফাওবদা গেহু খাওবদা থোইদোক্না চাথোক্ হনথহললোই অমদি লৈথোক্-লৈশিন্ তৌবগী মতম ফজনা ফংগনি।
- থা ভারত্তগী নিংথমগী ফৌ পাম্বীশিং neck blast না পাক-শন্না অমাং-অতা থোকহল্লি মরম অসিনা চান্নবা হীদাক্ মী নেক্লগা নত্তগা লৌমী ঈচিন-ঈনাওশিংনা কাপথোকপীগনি।
- করিগুম্বা মতমদা মতম নত্তনা লৌ লোকপা মতমদা নোং চুই। নোং চুরক্লবদি থুম ৫% মহি কাপথোকপীয়ু মসিনা ফৌ ময়োল্ চোংলকপদগী ঙাকথোকপা ঙমগনি।
- Horticultural Crops মরু ওইনা হৈনৌ পাল্লকপা মতমদা হার কাপথোকপীবা, হীদাক্ চাইথোকপীবা অমদি য়ানথোক্-য়ানশিন্ খুৎশু-খুৎলাই চামথোকপা মতমদা মতাং-মতম্ চানা চেকশিন থৌরাং লৌকৎপীগনি।
- কালেনগী হ্বাই পাম্বীশিং, ফৌগা লোইননা থাবিরিবাশিং Yellow mosaic virus তগী ঙাকথোক্লবা White fly শিং ঙাকথোক্লবগীদমক্ চেক্শিন থৌরাং পাইখৎপিগনি।

Translated by

Dr. R.K. Imotomba Singh

Sr. Scientist & Head

Krishi Vigyan Kendra, Bishnupur district, Manipur

MARATHI

कोविड-१९ च्या पार्श्वभूमीवर भारत सरकारच्या मार्गदर्शक सूचना

लॉकडाउनच्या कालावधीमधे सुट दिलेली शेती विषयक व शेती आधारित कामे तसेच विभाग

- **पशुवैद्यकीय रुग्णालये**
- **कृषी उत्पादनांमधे व खरेदीमध्ये असलेल्या एजन्सी व त्यानिगडित कामे**
- **राज्य शासनाने अधिसूचित केल्याप्रमाणे कृषी उत्पन्न बाजार समितीद्वारे संचालित 'मंडी'**
- **शेतकरी व शेतमजुरांमार्फत करण्यात येणारी शेतीची कामे**
- **शेतीच्या कामाशी संबंधित कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी)**
- **खते, कीटकनाशके व बियाण्याचे उत्पादन व पॅकेजिंग युनिट**
- **जिल्ह्याअन्तर्गत व जिल्ह्याबाहेर शेती निगडित मशीनची ने-आन उदा. हार्वेस्टर, कापणी व पेरणी संबंधित मशीन**

या सवलतींमुळे शेती व शेतीशी संबंधित कामे सुलभ होतील जेणेकरून आवश्यक वस्तूंचा पुरवठा होईल आणि लॉकडाऊन दरम्यान शेतक़ऱ्यांना कोणतीही अडचण येणार नाही. लॉकडाऊन दरम्यान अंमलबजावणीसाठी संबंधित मंत्रालये/ राज्य शासन विभाग आणि केंद्रशासित प्रदेशांना आवश्यक दिशा निर्देश जारी केले आहेत.

(गृह मंत्रालयाच्या मार्गदर्शक सूचनांनुसार, भारत सरकार पत्र नं.-४०/०३/२०२०-डीएम-आय (ए) दि. २४, २५ आणि २७ मार्च २०२० परिषेध क्र. २,४,५,६ अपवाद वगळता, कृषी व शेतकरी कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)

भारत सरकारच्या धोरणात्मक निर्देशांच्या आधारे, राज्य सरकारच्या विविध मंत्रालये /विभागांनी कृषी आणि संबंधित क्षेत्राशी संबंधित उपक्रम सुरू ठेवण्यासाठी, सुलभतेसाठी अंमलबजावणी मार्गदर्शक तत्त्वे जारी केली आहेत.

शेतक़ऱ्यांसाठी सल्ला

अ. पिकांची काढणी व मळणी

- कोविड-19 च्या पार्श्वभूमीवर, सद्य परिस्थितिमधे रब्बी पिके पक्वता कालावधीमधे आहेत. सर्व शेतीची कामे वेळेवर झाली आहेत त्यामुळे काढणी व हाताळणी तसेच बाजारपेठेत माल पाठवणे अपरिहार्य आहे. तथापि, सदरील रोगाचा प्रसार रोखण्यासाठी खबरदारी आणि सुरक्षा उपायांचे पालन केले पाहिजे. साध्या उपायांमध्ये सामाजिक अंतर ठेवणे, साबणाने हात धुवून वैयक्तिक स्वच्छता राखणे, मास्क परिधान करणे, संरक्षक कपडे आणि उपकरणे व यंत्रसामग्री साफ करणे समाविष्ट आहे. शेतीच्या संपूर्ण कामात प्रत्येक ठिकाणी सुरक्षा उपाय आणि सामाजिक अंतरांचे अनुकरण करावे.
- विविध राज्यांमध्ये गहू कापणीचे काम चालु आहे त्यामुळे हार्वेस्टर ला जिल्ह्याअन्तर्गत व जिल्ह्याबाहेर परवानगी देण्यात आली आहे. दुरुस्ती, देखभाल आणि कापणीच्या कामात गुंतलेल्या कामगारांची खबरदारी व सुरक्षितता सुनिश्चित करणे आवश्यक आहे.
- मोहरी हे रब्बी हे दुसरे महत्त्वाचे पीक आहे. त्याची काढणी अन्तिम टप्यात आहे, आणि जिथे जिथे आधीच कापणी झाली तेथे मळणी केली जात आहे. मसूर, मका आणि मिरचीची काढणी सुरू आहे आणि हरभरा पिकाची काढणी जवळ येत आहे.

- ऊस तोडणी चालु असून उत्तरेत लागवड करण्याचीही वेळ आली आहे
- शेतातील कामापुर्वी आणि नंतर सर्व शेतातील पिके, फळे, भाज्या तसेच अंडी आणि मासे या कामात गुंतलेल्या शेतकरी, कामगार या सर्वानी वैयक्तिक स्वच्छता आणि सामाजिक अंतराचे उपाय केले पाहीजेत.
- शेतमाल कापणी/ तोडणीचे काम असल्यास, एका व्यक्तीला एक पट्टी वाटप केली तर काम पण योग्य होइल कामगारांच्या दरम्यान ४-५ फूट पुरेसे अंतर पण राहील.
- शेतकऱ्यांनी आराम करण्याच्या वेळेस, जेवण करताना तसेच मालाची ने-आण करताना शेतमाल गाडीत भरताना व उतरवताना किमान एकमेकांपासून तीन ते चार फुटाचे अंतर राखणे आवश्यक आहे.
- शक्यतो एकाच ठिकाणी गर्दी न करता शेतीमधील वेगवेगळी कामे कमीत कमी मजुरांमार्फत करणे आवश्यक आहे, त्यासाठी शक्यतो घरातील माणसांच्या मार्फतच शेती कामे करावीत त्यामुळे बाहेरील विषाणूचा प्रादुर्भाव कमी होण्यास मदत होईल.
- शक्यतो मशिनच्या साह्याने शेती कामे करावीत त्यामध्ये कमीत कमी मनुष्यबळाचा वापर करावा शेती कामासाठी वापरली जाणारी अवजारे, गोणी तसेच पॅकिंगच्या गोष्टी ह्या सुद्धा निर्जंतुकीकरण करणे आवश्यक आहे.
- शेतमालाचे ढीग करण्यासाठी दोन ढिगामधील अंतर तीन ते चार फूट ठेवणे आवश्यक आहे त्यासाठी शक्यतो एक किंवा दोन कामगारच वापरावेत. मका आणि भुईमूग या पिकांच्या मळणीसाठी वापरले जाणारे यंत्रांना निर्जंतुकीकरण करावे कारण ही यंत्रे शेतकरी वेगवेगळ्या गटांमध्ये वापरत असतात.

ब. शेतमालाचे काढणीपश्चात साठवणूक व विपणन व्यवस्थाच्या दरम्यान करावयाच्या उपाय योजना

- शेतकऱ्यांनी मालाची वाळवणी, मळणी, धान्य साफ करणे, प्रतवारी करणे हे शेतावरच करणे आवश्यक असते यासाठी शेतकऱ्यांनी तोंडावर मास्क वापरणे आवश्यक आहे जेणेकरून धूळ तोंडावाटे आत जाणार नाही.
- अन्नधान्य, कडधान्य हे काढणीनंतर योग्य वेळेस सुकवावे. साठवणूक करताना किडींचा प्रादुर्भाव टाळण्यासाठी अगोदर वापरलेल्या गोणी वापरू नयेत यासाठी साठवणूक गोणींचे पाच टक्के निंबोळी अर्क घेऊन निर्जंतुकीकरण करावे. शेतमालाची चांगली किंमत येण्यासाठी आवश्यकतेप्रमाणे यांचा वापर करावा.
- शेतकऱ्यांनी शेतमाल गाडीमध्ये भरताना तसेच उतरवताना, बाजारपेठेमध्ये नेताना व लिलाव करते वेळेस पुरेसे वैयक्तिक सुरक्षितता उपाय करणे आवश्यक आहे.
- बियाणे उत्पादक शेतकऱ्यांना तयार झालेले बियाणे कंपनीकडे पाठवण्यासाठी परवानगी देण्यात आलेली आहे यासाठी विकलेल्या बियाण्याचे पैसे घेते वेळी आवश्यक ती काळजी घेणे महत्त्वाचे आहे. तसेच बियाणे नेते वेळी आवश्यक कागदपत्रे बरोबर बाळगणे बंधनकारक आहे.
- येत्या खरीप हंगामाच्या दृष्टिकोनातून बियाणे उत्पादक कंपन्या पॅकेजिंग विभाग यांना सदरील बियाणे हे एका राज्यातून दुसऱ्या राज्यांमध्ये पाठवण्यासाठी मुभा देण्यात आलेली आहे जेणेकरून येणारा खरीप हंगाम हा सुरळीत होईल.

- टोमॅटो, कोबी, फ्लॉवर, काकडी, पालेभाज्या व इतर भाजीपाला बाजारपेठेमध्ये पाठवताना वैयक्तिक सुरक्षितता उपाय शेतकऱ्यांनी करणे गरजेचे आहे.

क. शेतात उभ्या असलेल्या पिकांबाबतच्या बाबतच्या उपाय योजना

- गहू पिकविणाऱ्या बहुतांश भागांतील तापमान अद्यापही सरासरीपेक्षा कमी आहे त्यामुळे गहू कापणीस दहा ते पंधरा दिवस उशीर होण्याची शक्यता आहे त्यामुळे शेतकरी कोणतीही नुकसान न होता २० एप्रिल पर्यंत गहू काढू शकतात, तसेच काढणीस उशीर झाला तरी शेतकऱ्यांना विक्री संदर्भात आवश्यक ती उपाय योजना करता येईल.
- फळ पिकांमध्ये विशेषत आंब्यामध्ये फळधारणा होत आहे यासाठी आवश्यक त्या फवारण्या व पीक संरक्षण या संदर्भात शेतीची कामे करत असताना उपकरणे हाताळणे ही कामे करत असताना सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे
- भात पिकानंतर घेतल्या जाणाऱ्या उन्हाळी कडधान्य पिकांमध्ये पांढरी माशी चे नियंत्रण करणे महत्त्वाचे आहे यासाठी वैयक्तिक पातळीवर संरक्षित उपाय योजना कराव्यात जेणेकरून विषाणूंचा प्रादुर्भाव रोखता येईल.

MIZO

Covid-19 vanga inkharkhip laia loneitu leh a kaihnawihte ina an zawm tur

Government of India ina a siam te:

Inkharkhip na in a ahuam ve loh te:

1) Ran leh ramsa enkawlna hmun (Vety hospital)
2) Loneitute leh an thar chhuah lakhawmtute leh enkawltute
3) Nitin eichawp leh thlai thar zawrhna hmun sawkar in phalna a pek te
4) Loneitute leh an hnathawkte
5) Custom Hiring Centre loneitute tan a siam
6) Leitha, Hlo tur leh thlai chi siamna hmun leh pek chhuahna hmun
7) Loneihna hmuna khawl tangkai (eg tractor etc) state chhung leh pawn a kal thin te

He inkharkhip chhung a loneitu te mamawh leh an lo neihna a harsatna an tawrh loh nan a he dan hi siam a ni a , he dan hi state tin a Ministry leh a kaihhnawih Department hnena hriattir vek anni.

(as per guidelines of Ministry of Home Affairs , GoI vide N0.40-3/2020-DM-I (A) dated 24th , 25th and 27th March 2020, additions to clauses2, 4,5 and 6 in exceptions based on request of the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare , GoI)

Heng dan Government of India in a a rawn siam zulzui hian , Ministry leh State Department te chuan loneitu te leh a kaihhnawih kawng a hnathawktu ten an hna tha tak a an thawh chhunzawm theih nan kaihhruai nate a siam a.Chungte chu:-

Loneitu te tan a Thurawn

Thlaithar

Covid-19 darh zau zel boruak kar ah hian, thlasik thlai te chuan puitling lam an rawn pan zel a.Thlai thar leh sawngbawl te hi loh theih loh a ,a hun chhung a tih ngei ngei ngai an nih avangin , hemi lam ah leh a hralh chhuah na kawng ah loneituten fimkhur tak leh uluk tak in he natna ti darh lo zawng in hma an la tur ani. Fimkhur dan then khat te chu , mihring in hlat a awm , kut fai tak a sil , hmaituam that , thawmhnaw fai leh loneihna hmanrua fai tak a sil . Hna thawk tute pawn huan a an hna thawh na ah in hnaih lo a hna thawh hram tum tur ani.

- Chhim lam State ah chuan wheat thar alo hun leh ta a, chumi avang chuan wheat thar a khawl te chuan State hrang hrang an in kal pawh thei ang. Hemi kawng a hna thawk tute, leh khawl siam tha tute an fimkhur ani tih enfiah tur ani.
- Tel antam hi thlasik thlai pawimawh tak ani a , tun ah hian thar mek ani a, chuvangin a her na khawl a her tir hi phal ani.
- Chhim lam ah chuan fu chu nasa tak a her chhuah ani tawh a , chin leh hun ani tawh.
- Thlai ching tute leh thei huan nei tute leh ran enkawl tu ten , an hna an tan hma leh thawh laite, thawh zawh tawh hnuah te, mahni in tihfai leh inkar hlat a awm an ngai pawimawh tur ani.
- Thlai thar na hmun ah mipakhat aia tam in hna an thawh chuan , 4 - 5 feet a in hlat a hna thawh theih a tha.
- Hnathawk tu ten hmai an tuam ang a, a khat tawkin kut an sil fai bawk tur ani.
- Thlaithar lakkhawm leh semchhuah leh chhun chaw fak hun ah te 3-4 feet a in hlat a awm tum tur ani.
- Thlai chi thlakin a theih hram chuan sir sawn a, a chi thlak tur leh mi a tam lo thei ang ber nikhat a thawh tur.
- Mi hriatchian chauh mahni huan a thawk tur a rawih tur
- Khawl hman theihna hmun ah chuan hman tum hram a , khawl Khawihtu tur bik chauh lo chu kal phal loh tur.
- Khawl reng reng huan a luh hma in damdawia tih thianghlim a a khat tawk a tihfai leh bawk tur ani, thlai thar phur tu tur motor te leh a phurhna ip leh a dang te pawh damdawia tih thianghlim hmasak phawt tur.
- Thlai thar te pawh hmun khat a chhep khawm teuh lo in tlem te te a 3 - 4 feet a in hlat a chhek khawm tur ani, heng ti tur hian mi 1-2 aia tam lo in chheh khat hi an buaipui tur ani.
- Vaimim leh badam herna khawl , loneitu ten an in hman tawm anih chuan , fai takin an vawng tur ani a , khawl Kuta an khawih lai bik te phei chu sahbawn nen uluk takin an silfai zel tur ani.

Thlai thar dahthat leh hralh chhuah chungchang

- Thlai phoro, tihfai , thliarhran leh fun hran lai a, hmaituam hian boruak thalo leh khu lak ah te a veng in thawk harsatna lam awm thei lakah te a veng thei.

- Be lam chi thlai te ro tha tak a pho a , kum hmasa lam a a dahna ip te hman nawn loh tur . 5% neem tui a chiah ip phoro hman tur ani.
- Thai thar te a phurh chhuahna ah leh a hralh na ah fimkhur thei ang bera kalpui tur.
- Thlai chi hralh chhuaktu ten an hralh chhuah na ah lehkha pawihmawh an neih chuan phurh chhuah phal sak an ni a , a man an dawnna ah an fimkhur tur a ni.
- Thlai chi siam chhuak tu ten thlai chi duh te hnena a, ahun dik tak a an pek chhuah theih hi a pawimawh ani.
- Tomato, zikhlum, parbawr leh thlai hnah hring ang chi te hralhchhuah kawng ah fimkhur tak a tih tur ani

Thlai dinglai enkawl dan

1. Wheat chingtute tan a seng hun a la tlaichhe lova, chhiatna lutuk awm lovin ruahmanna felfai tak siam chungin April ni 20 thleng pawh hian a la seng theih a ni.
2. Chhimlam state a thlasik buh chingtute tan tun ang hun hi buh natna chi khat (Neck blast) tam hun lai ani a, he buh natna venna atana damdawi (Fungicide) kah lai hian uluk leh fimkhur a ngai hle a ni.
3. Buh seng hun laia ruahtui a tlak hun loh laia a tlak chuan, buh chi a tiah loh nan Chi tui (Salt Solution) 5% a kah tur a ni.
4. Horticulture thlai thenkhat entir nan Theihai rah hunlai angah te hian chawtha pek leh thlai ven dawnin fimkhur a ngai in hmanrua kan hman te pawh fai taka sil thin tur a ni.
5. Nipui laia Be lam chi kan chin in virus natna thehdarhtu rannung chikhat (Whitefly) in harsatna a thlen loh nan fimkhur tur a ni.

ORIYA

କୋରୋନାସଂକ୍ରମଣରୋକିବାପାଇଁଦେଶବ୍ୟାପୀତାଲାବନ୍ଦସମୟରେକୃଷିକ୍ଷେତ୍ରଓକୃଷକମାନଙ୍କପାଇଁଜାରିକରାଯାଇଥିବାସରକାରୀନିୟମାବଳୀ

ଭାରତସରକାରଙ୍କଦ୍ୱାରାଜାରିକରାଯାଇଥିବାନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ

ଏହିତାଲାବନ୍ଦରୁବାଦପଡିଥିବାବାପ୍ରଭାବିତହେଉନଥିବାବିଭିନ୍ନକୃଷିଓଆନୁଷଙ୍ଗିକକାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମଗୁଡିକନିମ୍ନରେପ୍ରଦାନକରାଗଲା

(କ) ପ୍ରାଣୀଚିକିତ୍ସାକେନ୍ଦ୍ର

(ଖ) କୃଷିଦ୍ରବ୍ୟରସର୍ବନିମ୍ନସହାୟକମୂଲ୍ୟନିର୍ଦ୍ଧାରଣଅନୁଯାଇବିପଣନସହଜଡିତଥିବାସଂସ୍ଥା

(ଗ) କୃଷିଜାତଦ୍ରବ୍ୟବିପଣନକମିଟିକିମ୍ବାରାଜ୍ୟସରକାରଙ୍କଦ୍ୱାରାସୂଚିତ'ମଣ୍ଡି'

(ଘ) କୃଷକଓକୃଷିଶ୍ରମିକଙ୍କଦ୍ୱାରାକୃଷିକାର୍ଯ୍ୟ

(ଙ) କୃଷିଯନ୍ତ୍ରପାତିଗୁଡିକୁଭଡାସୂତ୍ରରେଦେଉଥିବାସଂସ୍ଥା

(ଚ) ରାସାୟନିକସାର, କୀଟନାଶକଓବିହନଉତ୍ପାଦନଏବଂଏହାରପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣକରୁଥିବାସଂସ୍ଥା

(ଛ) କୃଷିଓଉଦ୍ୟାନକୃଷିରେବ୍ୟବହୃତଯନ୍ତ୍ରପାତିରାଜ୍ୟଭିତରେଏବଂରାଜ୍ୟରାଜ୍ୟମଧ୍ୟରେଗମନାଗମନ

ତାଲାବନ୍ଦସମୟରେକୃଷିଓକୃଷିକାର୍ଯ୍ୟରେଯେପରିବାଧାନଆସିବଏବଂକୃଷକମାନେଯେପରିସେମାନଙ୍କରଅତ୍ୟାବଶ୍ୟକଜିନିଷପାଇବାରେକୌଣସିଅସୁବିଧାରସମ୍ମୁଖୀନନହୁଅନ୍ତି,

ସେଥିପାଇଁଉପରୋକ୍ତନିର୍ଦ୍ଦେଶନାମାଗୁଡିକରପାଳନକରିବାନିମନ୍ତେସମସ୍ତମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ / ରାଜ୍ୟସରକାରଙ୍କଅବଗତିପାଇଁପ୍ରେରଣାକରାଯାଇଛି |

(ଗୃହମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ, ଭାରତସରକାରଙ୍କନିର୍ଦ୍ଦେଶନାମାକ୍ର .ନଂ .40-3/2020-DM-I (A) ତା.24, 25, 26 ମାର୍ଚ୍ଚ 2020 ଅନୁଯାଇ)

କୃଷକମାନଙ୍କପାଇଁପରାମର୍ଶ

ଫସଲରଅମଳସମ୍ବନ୍ଧୀୟପରାମର୍ଶ

କୋରୋନାସଂକ୍ରମଣରେସାରାଦେଶକବଳିତଥିବାଅବସ୍ଥାରେରବିଫସଲଧୀରେଧୀରେଅମଳକ୍ଷମହେବାରେଲାଗିଛି |

ଏଣୁଅଳ୍ପଦିନରେଏହାରଅମଳଓବିପଣନପାଇଁପରିବହନବ୍ୟବସ୍ତାଜରୁରୀହୋଇପଡିବ |

ଏହିପରିପ୍ରେକ୍ଷୀରେକୃଷକମାନଙ୍କୁସୂଚିତକରିଦିଆଯାଉଛିକି,

ଏହିସମୟରେସେମାନେଏହିଭୁତାଣୁଜନିତରୋଗରୁନିଜକୁରକ୍ଷାକରିବାପାଇଁସାବଧାନତାଓସତର୍କତାଅବଲମ୍ବନକରିବେ |

ସାଧାରଣସତର୍କତାବ୍ୟବସ୍ତାଅନୁଯାଇସାମାଜିକଦୂରତାରକ୍ଷାକରିବାତଥାଶରୀରପରିଚ୍ଛନ୍ନତାରବିଭିନ୍ନଉପାୟଯେମିତିକି,

ବାରମ୍ବାରସାବୁନଦ୍ୱାରାହାତଧୋଇବା, ମୁହଁରେମାସ୍କପିନ୍ଧିବା, ସୁରକ୍ଷିତବସ୍ତ୍ରପରିଧାନକରିବାଏବଂସର୍ବୋପରିଯନ୍ତ୍ରପାତିଓଉପକରଣଗୁଡିକବିଶୋଧନକରିରଖିବାପ୍ରଭୃତିକୁଗୁରୁତରଭାବେଧ୍ୟାନ ଦେବାପାଇଁଉଚିତ|

କୃଷିଜୀବୀଶ୍ରମିକମାନଙ୍କୁସୂଚେଇଦିଆଯାଉଛିକିଉପରୋକ୍ତକୃଷିକାର୍ଯ୍ୟସମୟରେପ୍ରତ୍ୟେକସୋପାନରେସେମାନେସାମାଜିକଦୂର ତ୍ୱକୁବଜାୟରଖିକାର୍ଯ୍ୟକରିବେ |

- ଉତ୍ତରଭାରତରଅନେକରାଜ୍ୟରେଯାନ୍ତ୍ରିକଉପାୟରେଗହମଅମଳକାର୍ଯ୍ୟଆରମ୍ଭହୋଇଗଲାଣି | ଉତ୍ପାଦିତଗହମକୁମାଲବାହୀଗାଡିମାଧ୍ୟମରେରାଜ୍ୟମଧ୍ୟରେଓଅନ୍ୟରାଜ୍ୟକୁଅନାୟସରେପରିବହନକରାଯାଇପାରିବ| ଏହିସମୟରେଯନ୍ତ୍ରଗୁଡିକରମରାମତି, ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣାଓଅମଳକାର୍ଯ୍ୟରେନିୟୋଜିତସମସ୍ତକୁଶଳୀଶ୍ରମିକମାନେକୋରୋନାରୋଗସଂକ୍ରମିତନହେବାପାଇଁସ ବୁପ୍ରକାରସୁରକ୍ଷାବ୍ୟବସ୍ଥାଗ୍ରହଣକରିବାପାଇଁଅନୁରୋଧକରାଯାଇଛି
- ଦେଶରଦ୍ୱିତୀୟମୁଖ୍ୟରବିଫସଲହେଉଛିସୋରିଷ |ଏହାରଅମଳକାର୍ଯ୍ୟଯେପରିବାଧାପ୍ରାପ୍ତନହୁଏ
- ମସୁରଡାଲି , ମକାଓଲଙ୍କାଫସଲରଅମଳକାର୍ଯ୍ୟଚାଲୁରହିଛିଏବଂଡାଲିଜାତୀୟଫସଲରଅମଳଆସନ୍ନପ୍ରାୟଏଣୁଏହିଫସଲଗୁଡିକର ଅମଳକାର୍ଯ୍ୟଯେପରିସୁରୁଖୁରେଚାଲୁରହିବସେଥିପାଇଁଦୃଷ୍ଟିଦେବାଉଚିତ |
- ଆଖୁଉତ୍ପାଦନଚାଲୁରହିଥିବାବେଳେକେତେକସ୍ଥାନରେଏହାରଚାରାରୋପଣକାର୍ଯ୍ୟମଧ୍ୟଆରମ୍ଭହୋଇଗଲାଣି|
- ଯେଉଁକୃଷିଶ୍ରମିକମାନେବିଭିନ୍ନପ୍ରକାରଫସଲ,ମାଛ, ଅଣ୍ଡାଓଅନ୍ୟାନ୍ୟସାମଗ୍ରୀଉତ୍ପାଦନଓଅମଳକାର୍ଯ୍ୟରେନିୟୋଜିତଅଛନ୍ତି, ସେମାନେକାର୍ଯ୍ୟରତସମୟରେସମସ୍ତପ୍ରକାରଶରୀରରପରିଚ୍ଛନ୍ନତାଓସାମାଜିକଦୂରତ୍ୱବଜାୟରଖିବାବିଧେୟଅଟେ |
- ଶ୍ରମିକଙ୍କଦ୍ୱାରାଫସଲକାଟିବାସମୟରେ ୪ରୁ ୫ଫୁଟବ୍ୟବଧାନରେପଟାଳୀକରିପ୍ରତିପଟାଳୀରେଜଣେଲେଖାଏଁଶ୍ରମିକର ହିବେଯେମିତିକିଉଚିତସାମାଜିକଦୂରତାରହିପାରିବ|
- ସମସ୍ତନିୟୋଜିତଶ୍ରମିକକାର୍ଯ୍ୟକରିବାସମୟରେମୁହଁରେମାସ୍କପିନ୍ଧିବାସହନିୟମିତଅନ୍ତରାଳରେସାବୁନରେଭଲଭାବେ ହାତଧୋଇବାଉଚିତ |
- ଶ୍ରମିକମାନେବିଶ୍ରାମନେବାସମୟରେ, ଖାଦ୍ୟଖାଇବାସମୟରେ, କୃଷିଜାତଦ୍ରବ୍ୟମୁଣ୍ଡରେପରିବହନକରିବାସମୟରେ, ଗାଡ଼ିରେମାଲଉଠେଇବାଏବଂଓଲ୍ଲେଇବାସମୟରେ୩ରୁ ୪ଫୁଟସାମାଜିକଦୂରତାବଜାୟରଖିବାଦରକାର |
- ଫସଲକ୍ଷେତକାମରେଆବଶ୍ୟକସ୍ଥଳେଦୈନିକକାର୍ଯ୍ୟରେଅଧିକସଂଖ୍ୟକଶ୍ରମିକନିୟୋଜିତକରିବାକୁମନାକରାଯାଇଛି
- ଜଣାଶୁଣାବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁକାର୍ଯ୍ୟରେଲଗାଇବାସହସଂକ୍ରମିତଆଶଙ୍କାଥିବାଅବାସନ୍ଦିଗ୍ଧବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁକାମରେନଲଗାଇବାଉଚିତ

- କୃଷିକାର୍ଯ୍ୟରେଯନ୍ତ୍ରପାତିରବ୍ୟବହାରଅଧିକକରିଏବଂଏହାକୁଚଳାଇବାପାଇଁଅତିକମସଂଖ୍ୟକବ୍ୟାଙ୍କିଙ୍କୁନିୟୋଜିତକରିବାଆବଶ୍ୟକ |
- ଫାର୍ମରପ୍ରବେଶଦ୍ୱାରରେକୃଷିଯନ୍ତ୍ରପାତିରନିୟମିତବିଶୋଧନକରାଯିବାସହପରିବହନପାଇଁଉଦ୍ଦିଷ୍ଟଗାଡିଓବସ୍ତୁାଗୁଡିକୁମଧ୍ୟବିଶୋଧନକରାଯିବାଉଚିତ
- ଅମଳହୋଇଥିବାକୃଷିଜାତପଦାର୍ଥକୁୀରୁ ୪ଫୁଟବ୍ୟବଧାନରେଛୋଟଛୋଟଗଦାକରିରଖିବାସହପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣକରିବାପାଇଁଗଦାପିଛାଜଣେରୁ ୨ ଜଣଶ୍ରମିକନିୟୋଜିତହେବାଆବଶ୍ୟକ |
- ଅମଳହୋଇଥିବାମକା,
  ଚିନାବାଦାମପ୍ରଭୃତିଫସଲରେମଞ୍ଜିଛଡ଼ାଇବାପାଇଁବ୍ୟବହୃତଯନ୍ତ୍ରପାତିରହାତରେଲାଗୁଥିବାଅଂଶକୁନିୟମିତସାବୁନରେଧୋଇବାଆବଶ୍ୟକ |

ଅମଳପରବର୍ତ୍ତୀସଂରକ୍ଷଣଓବିପଣନବ୍ୟବସ୍ଥା

- କୃଷିଜାତଉତ୍ପାଦଗୁଡିକୁଶୁଖେଇବା, ଉଡ଼ାଇବା, ସଫାକରିବା, ବାଛିବାଏବଂସୁରକ୍ଷିତଭାବରେରଖିବାସମୟରେମୁହଁରେଜଳୀୟବାଷ୍ପକଣାଓଧୂଳିନପଶିବାପାଇଁମାସ୍କବ୍ୟବହାରକରିବାଉଚିତ |
- ଅମଳକରାଯାଇଥିବାଶସ୍ୟ, ମାଣ୍ଡିଆ, ଡାଲିଜାତୀୟଫସଲକୁଟାଣଖରାରେଶୁଖାଇବାଉଚିତ | ପୂର୍ବରୁବ୍ୟବହୃତଝୋଟବସ୍ତାବ୍ୟବହାରକରନ୍ତୁନାହିଁ, ଏଥିରେପୋକଲାଗିବାରସମ୍ଭାବନାଅଧିକଥାଏ | ପ୍ରତ୍ୟେକଶୁଖିଲାବସ୍ତାଗୁଡିକୁ 5 ପ୍ରତିଶତଲିମ୍ବୁତେଲଦ୍ରବଣରେଭିଜାଇଏବଂଶୁଖାଇଶସ୍ୟସଂରକ୍ଷିତରଖନ୍ତୁ |
- ଭବିଷ୍ୟତରେଅଧିକଦରରେବିକ୍ରିପାଇଁଉତ୍ପାଦକୁନିକଟସ୍ଥଶୀତଳଭଣ୍ଡାର, ସରକାରୀଗୋଦାମକିମ୍ବାଭଡାସୂତ୍ରରେଦିଆଯାଉଥିବାଗୋଦାମଗୁଡିକରେଗଚ୍ଛିତରଖନ୍ତୁ |
- କୃଷିଜାତଦ୍ରବ୍ୟରପରିବହନ,
  ବିକ୍ରିବଟାଓନିଲାମସମୟରେନିୟୋଜିତବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କପାଇଁସମ୍ଭାବ୍ୟସଂକ୍ରମଣରୁସୁରକ୍ଷାପ୍ରଦାନକରାଯିବଆବଶ୍ୟକ |
- ବିହନଉତ୍ପାଦନକାରୀନିଜରଉତ୍ପାଦିତଦ୍ରବ୍ୟଗୁଡିକବିହନଉଦ୍ୟୋଗଗୁଡିକୁପରିବହନକଲାସମୟରେତଦସମ୍ବଧୀୟଅନୁମୋଦନପତ୍ରଓକାଗଜଗୁଡିକୁନିଜପାଖରେରଖିବାସହଟଙ୍କାକାରବାରସମୟରେସଂକ୍ରମିତନହେବାପାଇଁଯତ୍ନଶୀଳହେବାଉଚିତ |

ବର୍ତ୍ତମାନସମୟରେକ୍ଷେତରେଥିବାଫସଲରପରିଚାଳନାପରାମର୍ଶ

- ଗହମଉତ୍ପାଦିତହେଉଥିବାଅଞ୍ଚଳଗୁଡିକରେଏଇବର୍ଷତାପମାତ୍ରାହାରାହାରିଠାରୁକମରହୁଥିବାରୁଗହମଅମଳସମୟକୁଅ ନାୟସରେଏପ୍ରିଲ ୨ 0ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତଘୁଞ୍ଚାଯାଇପାରିବ |ଏହାଦ୍ୱାରାଚାଷୀମାନେକୌଣସିକ୍ଷତିରସମ୍ମୁଖୀନନହେବାସହଅମଳପରବର୍ତ୍ତୀବିକ୍ରିବଟାଓଅନ୍ୟାନ୍ୟପରିଚାଳନାବ୍ୟବ ସ୍ଥାପାଇଁଯଥେଷ୍ଟସମୟମିଳିବ|
- ଦକ୍ଷିଣଭାରତରେରବିଧାନଫସଲରଦାନାପୂରଣଅବସ୍ଥାରେଏହିସମୟରେଗଳାମହିଷାରୋଗଆକ୍ରାନ୍ତହୋଇଅଛି | ତେଣୁଏହିରୋଗନିୟନ୍ତ୍ରଣପାଇଁଅନୁମୋଦିତଫିମ୍ପିନାଶକପ୍ରୟୋଗସମୟରେନିୟୋଜିତଶ୍ରମିକନିଜରସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟଗତସୁରକ୍ଷା ଦିଗରେଧ୍ୟାନଦେବାନିହାତିଆବଶ୍ୟକ |
- ଧାନପାଚିଯାଇଥିବାଅବସ୍ଥାରେଯଦିଅଦିନିଆବର୍ଷାହୋଇଧାନଗଜାହେବାରସମ୍ଭାବନାଥାଏ, ତେବେଏହାରନିରାକରଣପାଇଁ୫ପ୍ରତିଶତଲୁଣପାଣିରଦ୍ରବଣଫସଲରେସିଞ୍ଚନକରିବାଆବଶ୍ୟକ |
- ଆମ୍ବଭଳିଉଦ୍ୟାନଭିତ୍ତିକଫସଲରେଫଳଧରିବାସମୟରେଖାଦ୍ୟସାରଓକୀଟନାଶକପ୍ରୟୋଗବେଳେଯଥେଷ୍ଟସତର୍କତା ଅବଲମ୍ବନପୂର୍ବକବ୍ୟବହାରପରେସ୍ପ୍ରେୟରକୁଭଲଭାବରେଡିଟରଜେଣ୍ଟରେଧୋଇବାଆବଶ୍ୟକ |
- ଖରାଟିଆଡାଲିଜାତୀୟଫସଲରେଧଳାମାଛିଜନିତସାହେବିରୋଗପରିଚାଳନାକରାଯିବାସମୟରେସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟସୁରକ୍ଷାବ୍ୟବ ସ୍ଥାପ୍ରତିଧ୍ୟାନଦେବାଆବଶ୍ୟକ |

PUNJABI

ਕੋਵਿਡ-19 ਦੇ ਕਾਰਨ ਲਾਕਡਾਊਨ ਅਵਧੀ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਖੇਤਰ ਲਈ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼

ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ *

ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਲਾਕਡਾਊਨ ਸਮੇਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਛੂਟ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ:

- ਵੈਟਰਨਰੀ / ਪਸ਼ੂ-ਚਿਕਿਤਸਾ ਹਸਪਤਾਲ।
- ਐਮਐਸਪੀ ਪਰਿਚਲਨਾਂ ਸਹਿਤ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਤਪਾਦਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਵਿੱਚ ਲਗੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ।
- ਜਿਹੜੀਆਂ ਮੰਡੀਆਂ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਪਜ ਮੰਡੀ ਕਮੇਟੀ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਸੂਚੀਬੱਧ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।
- ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸਾਨ ਅਤੇ ਖੇਤ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਖੇਤੀ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ।
- ਖੇਤੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਕਸਟਮ ਹਾਇਰਿੰਗ ਸੈਂਟਰ (CHC) ।
- ਖਾਦ, ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਅਤੇ ਬੀਜ ਨਿਰਮਾਣ ਦੀਆਂ ਪੈਕੇਜਿੰਗ ਇਕਾਈਆਂ।
- ਕੰਬਾਇਨ-ਹਾਰਵੈਸਟਰ ਅਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ/ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿੱਚ ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਵਾਢੀ ਤੇ ਬਿਜਾਈ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਦੀ ਅੰਤਰਰਾਜੀ ਆਵਾਜਾਈ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੂਟਾਂ ਨਾਲ, ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਬਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰੇਸ਼ਾਨੀ ਦੇ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਂ ਜੋ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸਪਲਾਈ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਲਾਕਡਾਊਨ ਦੌਰਾਨ ਕੋਈ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਨਾ ਕਰਨਾ ਪਵੇ। ਲਾਕਡਾਊਨ ਦੌਰਾਨ ਕਾਰਜ-ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਮੰਤਰੀ-ਮੰਡਲਾਂ / ਰਾਜਾਂ ਅਤੇ ਕੇਂਦਰ ਸ਼ਾਸਿਤ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰੀ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ।

* (ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰਾਲੇ, ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਨੰਬਰ 2440-3/2020-ਡੀਐਮ-ਆਈ(ਏ) ਮਿਤੀ 24, 25 ਅਤੇ 27 ਮਾਰਚ, 2020)

ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨੀਤੀਗਤ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਖੇਤਰਾਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਜਾਰੀ ਰੱਖਣ ਲਈ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਮੰਤਰਾਲਿਆਂ / ਵਿਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਹਨ।

ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਸਲਾਹ

ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਵਾਢੀ ਅਤੇ ਥ੍ਰੈਸ਼ਿੰਗ

ਕਾਵਿਡ-19 ਦੇ ਫੈਲਣ ਦੇ ਖਤਰੇ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਰਬੀ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੇ ਪੱਕਣ ਦਾ ਸਮਾਂ ਨੇੜੇ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਖੇਤੀ ਕਾਰਜਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਮੰਡੀ ਵਿੱਚ ਇਸ ਦੀ ਗਤੀਸ਼ੀਲਤਾ, ਉਪਜ ਦੀ ਵਾਢੀ ਅਤੇ ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ। ਹਾਲਾਂਕਿ, ਬਿਮਾਰੀ ਨੂੰ ਫੈਲਣ ਤੋਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਾਧਾਰਣ ਉਪਰਾਲਿਆ ਵਿੱਚ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ, ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਹੱਥ ਧੋਣੇ, ਚਿਹਰੇ 'ਤੇ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨਣੇ, ਕੱਪੜੇ, ਉਪਕਰਨਾਂ ਅਤੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਦੀ ਸਫ਼ਾਈ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣਾ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੈ।

ਖੇਤ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦੇ ਸੰਚਾਲਨ ਦੀ ਪੂਰੀ ਪ੍ਰਕ੍ਰਿਆ ਵਿੱਚ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀਆਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰਨਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

- ਕਈ ਉੱਤਰੀ ਰਾਜਾਂ ਵਿੱਚ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ ਕੰਬਾਇਨ ਹਾਰਵੈਸਟਰਾਂ ਰਾਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਰਾਜ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅਤੇ ਰਾਜ ਦੇ ਬਾਹਰ ਕੰਬਾਇਨ ਹਾਰਵੈਸਟਰਾਂ ਦੇ ਸੰਚਾਲਨ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਮੁਰੰਮਤ, ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਅਤੇ ਵਾਢੀ ਸੰਚਾਲਨ ਵਿੱਚ ਲੱਗੇ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
- ਸਰੋਂ ਦੂਸਰੀ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਰਬੀ ਫ਼ਸਲ ਹੈ, ਮੈਨੂਅਲ ਕਟਾਈ ਜ਼ੋਰਾਂ 'ਤੇ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿੱਥੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਟਾਈ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ਉੱਥੇ ਥ੍ਰੈਸ਼ਿੰਗ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
- ਮਸੂਰ, ਮੱਕੀ ਅਤੇ ਮਿਰਚ ਦੀ ਕਟਾਈ ਵੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੈ ਅਤੇ ਛੋਲੇ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਪੱਕ ਰਹੇ ਹਨ।
- ਗੰਨੇ ਦੀ ਕਟਾਈ ਉੱਤਰੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਬਲਕਿ ਮਾਰਚ ਦਾ ਮਹੀਨਾ ਗੰਨੇ ਦੀ ਕਟਾਈ ਲਈ ਵਧੀਆ ਹੈ।
- ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ, ਫ਼ਲਾਂ ਤੇ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਦੀ ਤੁੜਾਈ ਅਤੇ ਅੰਡੇ ਤੇ ਮੱਛੀਆਂ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਜੋ ਵਿਅਕਤੀ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮਕਾਰ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਸਾਫ਼-ਸਫ਼ਾਈ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਵਾਢੀ / ਪੈਕਿੰਗ ਦੇ ਮੈਨੂਅਲ ਫੀਲਡ ਸੰਚਾਲਨ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ, ਕਿਸੇ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਇੱਕ ਪੱਟੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ 4-5 ਫੁੱਟ ਦੂਰੀ ਵਾਲੀਆਂ ਸਟ੍ਰਿਪਸ ਵਿੱਚ ਕਾਰਵਾਈ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨ। ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਲੱਗੇ ਕਾਮਿਆਂ ਵਿੱਚ ਢੁੱਕਵੀਂ ਦੂਰੀ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉ।
- ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਲੱਗੇ ਸਾਰੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਸਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਸਹੀ ਦੂਰੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸਮੇਂ-ਸਮੇਂ 'ਤੇ ਹੱਥ ਧੋਣਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਆਰਾਮ ਕਰਨ, ਭੋਜਨ ਕਰਨ, ਸੰਗ੍ਰਹਿ ਪੁਆਇੰਟ 'ਤੇ, ਉਪਜ ਨੂੰ ਇੱਕ ਤੋਂ ਦੂਜੀ ਜਗ੍ਹਾ ਲੈ ਜਾਣ, ਲੋਡਿੰਗ/ਅਨਲੋਡਿੰਗ ਦੌਰਾਨ 3-4 ਫੁੱਟ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਦੂਰੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।
- ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਸੰਭਵ ਹੋਵੇ, ਖੇਤਰ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਰੋਕੋ ਅਤੇ ਇੱਕੋ ਦਿਨ ਵਿੱਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਗਿਣਤੀ ਵਿੱਚ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਚੋ।
- ਖੇਤਰ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸੇ ਸ਼ੱਕੀ ਜਾਂ ਸੰਭਾਵਿਤ ਕੈਰੀਅਰ/ਵਾਹਨ ਦੇ ਦਾਖਿਲ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਕੇਵਲ ਜਾਣੂ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਸਹੀ ਪੁੱਛ-ਪੜਤਾਲ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰੋ।
- ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਸੰਭਵ ਹੋਵੇ ਮਸ਼ੀਨੀਕ੍ਰਿਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦਿਉ। ਮਸ਼ੀਨ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨ ਲਈ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਗਿਣਤੀ ਨੂੰ ਆਗਿਆ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰੋ।
- ਸਾਰੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਨੂੰ ਐਂਟਰੀ ਪੁਆਇੰਟ ਉੱਤੇ ਅਤੇ ਨਿਯਮਿਤ ਅੰਤਰਾਲਾਂ 'ਤੇ ਸਾਫ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਾਰੇ ਯਾਤਰੀ ਵਾਹਨ, ਪੈਕਿੰਗ ਸਮੱਗਰੀ ਨੂੰ ਵੀ ਸਾਫ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਉਪਜ ਦਾ ਸੰਗ੍ਰਹਿ 3-4 ਛੋਟੇ ਢੇਰਾਂ ਵਿੱਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਭੀੜ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਖੇਤਰ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਪ੍ਰੋਸੈਸਿੰਗ ਦਾ ਕੰਮ 1-2 ਵਿਅਕਤੀਆਂ / ਢੇਰ ਨੂੰ ਸੌਂਪਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਜਦੋਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਸਾਂਝੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹੋਣ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਸਮੂਹਾਂ ਦੁਆਰਾ ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹੋਣ ਤਾਂ ਵੱਢੀ ਹੋਈ ਮੱਕੀ ਅਤੇ ਮੂੰਗਫਲੀ ਲਈ ਥ੍ਰੈਸ਼ਰਾਂ ਨੂੰ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਵੱਛਤਾ ਅਤੇ ਸਫ਼ਾਈ ਖਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਬਣਾਈ ਰੱਖੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮਸ਼ੀਨ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਧੋਣ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਵੱਢੀ ਫ਼ਸਲ ਦੇ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰੋਸੈਸਿੰਗ, ਸਟੋਰੇਜ ਅਤੇ ਮਾਰਕਿਟਿੰਗ ਦੀ ਪ੍ਰਕ੍ਰਿਆ

- ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਫ਼ਸਲਾਂ ਨੂੰ ਸੁਕਾਉਣ, ਥ੍ਰੈਸ਼ਿੰਗ, ਵਿਨੋਇੰਗ, ਸਫ਼ਾਈ, ਗਰੇਡਿੰਗ, ਸ਼੍ਰੈਣੀਬੱਧ ਕਰਨ ਅਤੇ ਪੈਕਿੰਗ ਦੇ ਕੰਮ ਕਰਦਿਆਂ ਐਰੋਸੋਲ ਅਤੇ ਧੂੜ ਕਣਾਂ ਨਾਲ ਜੁੜੀਆਂ ਸਾਹ ਸੰਬੰਧੀ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦੇ ਲਈ ਸੁਰੱਖਿਆਤਮਕ ਚਿਹਰੇ ਦੇ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨਣ ਨਾਲ ਇਹਨਾਂ ਵਿਰੁੱਧ ਮਦਦ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਹੈ।
- ਘਰ ਵਿੱਚ ਕੱਢੇ ਹੋਏ ਅਨਾਜ, ਬਾਜਰਾ ਅਤੇ ਦਾਲਾਂ ਨੂੰ ਸਟੋਰ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁੱਕੇ ਹੋਣਾ ਯਕੀਨੀ ਕਰੋ ਅਤੇ ਕੀੜੇ ਦੇ ਰੋਗ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਪਿਛਲੇ ਸੀਜ਼ਨ ਦੇ ਜੂਟ ਬੈਗਾਂ ਦਾ ਦੁਆਰਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਾ ਕਰੋ। 5% ਨਿੰਮ ਦੇ ਘੋਲ ਵਿੱਚ ਭਿੱਜਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਸੁੱਕੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਬੋਰੀਆਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ।
- ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜਾਂ ਆਸ-ਪਾਸ ਦੇ ਕੋਲਡ ਸਟੋਰੇਜ / ਗੋਦਾਮਾਂ ਵਿੱਚ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਜੂਟ ਦੇ ਬੈਗਾਂ ਵਿੱਚ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਉਪਜ ਨੂੰ ਸਟੋਰ ਕਰਨ ਲਈ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਜੇਕਰ ਮੰਡੀ / ਸ਼ਾਪਿੰਗ ਪਲੇਟਫਾਰਮ 'ਤੇ ਵਿਕਰੀ ਵਿੱਚ ਭਾਗ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਪਜਾਂ ਦੀ ਲੋਡਿੰਗ ਅਤੇ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਲਈ ਢੁੱਕਵੇਂ ਨਿੱਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਅ ਕੀਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।
- ਬੀਜ ਉਤਪਾਦਕ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਲੋੜੀਂਦੇ ਦਸਤਾਵੇਜ਼ਾਂ ਨਾਲ ਬੀਜ ਕੰਪਨੀਆਂ ਵਿੱਚ ਲਿਜਾਣ ਅਤੇ ਭੁਗਤਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਦੀ ਆਗਿਆ ਹੈ, ਪਰ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰੋਸੈਸਿੰਗ / ਪੈਕਿੰਗ ਅਤੇ ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟੇਸ਼ਨ ਬੀਜ ਉਤਪਾਦਨ ਰਾਜਾਂ (ਦੱਖਣ ਤੋਂ ਉੱਤਰ) ਤੋਂ ਬਿਜਾਈ ਵਾਲੇ ਰਾਜਾਂ ਵਿੱਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਮੇਂ ਵਿੱਚ ਬੀਜੀਆਂ ਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸਾਉਣੀ ਦੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਲਈ ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ।
- ਟਮਾਟਰ, ਗੋਭੀ, ਹਰੀਆਂ ਪੱਤੇਦਾਰ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਤੇ ਖੀਰੇ ਵਰਗੀਆਂ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਦੀ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਦੌਰਾਨ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਵਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

ਖੜ੍ਹੀਆਂ ਫਸਲਾਂ

- ਕਣਕ ਉਗਾਉਣ ਵਾਲੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦਾ ਤਾਪਮਾਨ ਅਜੇ ਵੀ ਲੰਮੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਔਸਤ ਨਾਲੋਂ ਘੱਟ ਹੈ ਅਤੇ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ 'ਚ 10 ਅਪ੍ਰੈਲ ਤੋਂ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ 10-15 ਦਿਨ ਹੋਰ ਦੇਰੀ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਕਿਸਾਨ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ ਬਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਘਾਟੇ ਦੇ 20 ਅਪ੍ਰੈਲ ਤੱਕ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਜੋ ਖਰੀਦਦਾਰੀ ਅਤੇ ਤਰੀਕਾਂ ਦੀ ਘੋਸ਼ਣਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਰਸਦ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦਾ ਸਮਾਂ ਦਿੰਦਾ ਹੈ।
- ਦੱਖਣੀ ਰਾਜਾਂ ਵਿਚ ਰਬੀ ਝੋਨੇ ਵਿੱਚ ਦਾਣਾ ਬਣਦੇ ਸਮੇਂ ਨੇਕ ਬਲਾਸਟ ਨਾਲ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਪ੍ਰੇ / ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੁਆਰਾ ਅਨੁਸ਼ਾਸਿਤ ਉੱਲੀਮਾਰ ਦੇ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਸਮੇਂ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਝੋਨੇ ਦੀ ਵਾਢੇ ਦੇ ਸਮੇਂ ਕਿਸੇ ਗੈਰ ਮੌਸਮੀ ਬਾਰਿਸ਼ ਕਾਰਨ, ਦਾਣਿਆਂ ਦੇ ਉੱਗਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ 5% ਲੂਣ ਦੇ ਘੋਲ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ।
- ਬਾਗਬਾਨੀ ਫਸਲਾਂ ਜਿਵੇਂ ਅੰਬਾਂ ਦੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਵਿੱਚ ਪੌਸ਼ਕ ਤੱਤਾਂ ਦੀ ਛਿੜਕਾਅ ਅਤੇ ਫਸਲਾਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਸੰਬੰਧੀ ਖੇਤਰੀ ਕੰਮਾਂ ਦੌਰਾਨ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਝੋਨੇ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਗਰਮੀਆਂ ਦੀਆਂ ਦਾਲਾਂ ਵਿੱਚ, ਪੀਲੇ ਮੋਜ਼ੈਕ ਵਿਸ਼ਾਣੂ ਦੀ ਰੋਕਥਾਮ ਲਈ ਢੁੱਕਵੇਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਵਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਵਇ੍ਟਫਿਲ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

TAMIL

<u>கொரோனா (COVID-19) காரணமாக தற்பொழுது நிலவும் தடை காலத்தில் விவசாயிகள் மற்றும் விவசாயத் துறைக்கான வழிகாட்டுதல்கள்</u>

தடை காலத்தில் விலக்களிக்கப்பட்ட விவசாயம் மற்றும் அதன் சார்பு துறைகள்/ செயல்பாடுகள்:

i. கால்நடை மருத்துவமனைகள்
ii. குறைந்த பட்ச ஆதார விலை நிர்ணயிக்கும் செயல்பாடுகள் உள்ளிட்ட வேளாண் பொருட்கள் கொள்முதல் செய்யும் நிறுவனங்கள்
iii. வேளாண் உற்பத்தி சந்தைக் குழுவால் இயக்கப்படும் அல்லது மாநிலத்தால் அறிவிக்கப்பட்ட மண்டிகள்
iv. வயலில் விவசாயிகள் மற்றும் பண்ணைத் தொழிலாளர்கள் மேற்கொள்ளும் விவசாய நடவடிக்கைகள்
v. பண்ணை இயந்திரங்கள் தொடர்பான இயந்திரங்கள் வாடகைக்கு விடும் மையங்கள் (CHC)
vi. உரங்கள், பூச்சிக்கொல்லிகள் மற்றும் விதைகளின் உற்பத்தி மற்றும் விற்பனை அலகுகள்/ கடைகள்
vii. மாநிலத்திற்கு உட்பட்ட மற்றும் மாநிலங்களுக்கிடையிலான அறுவடை விதைப்பு கருவிகள் வேளாண் தோட்டக்கலை இயந்திரங்கள்

இந்த விலக்களிக்கப்பட்ட துறைகள் விவசாயத்தில் தங்குதடையற்ற செயல்பாடுகள் மேற்கொள்ளவும் தேவைப்படும் இடுபொருட்கள் உடனடியாக கிடைக்கவும் விவசாயிகளுக்கு தடை காலத்தில் எந்த ஒரு சிரமமும் இல்லாமல் இருக்கவும் வழிவகுக்கும். இதை அமல்படுத்துவதற்கு சம்பந்தப்பட்ட அமைச்சகம் மாநில துறைகள் மற்றும் யூனியன் பிரதேசங்களுக்கு உரிய நெறிமுறைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளன. (உள்துறை அமைச்சகத்தின் வழிகாட்டுதலின்படி, 24, 25 மற்றும் 27 தேதியிட்ட GoI vide No.40-3 / 2020-DM-I (A) மார்ச் 2020, அமைச்சின் வேண்டுகோளின் அடிப்படையில் விதிவிலக்குகளில் 2, 4, 5 மற்றும் 6 ஆகிய பிரிவுகளில் சேர்த்தல் வேளாண்மை மற்றும் உழவர் நலன், அரசு).

அரசாங்கத்தின் கொள்கை வழிமுறைகளின் அடிப்படையில், மாநில அரசுகளின் பல்வேறு அமைச்சகங்கள் / துறைகள் வேளாண்மை மற்றும் அதனுடன் தொடர்புடைய துறைகளில் தொடர்ந்து செயல்பாடுகள் நடை பெறுவதற்கு உரிய வழிமுறைகளை வழங்கியுள்ளது.

விவசாயிகளுக்கான அறிவுரைகள்

<u>பயிர்கள் அறுவடை செய்தல் மற்றும் விதைத்தல்:</u>

கொரோனா(COVID-19) பரவலின் அச்சுறுத்தலுக்கு மத்தியில், ரபி பயிர்கள் முதிர்ச்சியை நெருங்குகின்றன. அறுவடை மற்றும் வேளாண் உற்பத்தி பொருட்களை கையாளுதல் விற்பனைக் கூடங்களுக்கு எடுத்துச் செல்லுதல்

ஆகிய அனைத்து செயல்பாடுகளுமே குறித்த காலத்தில் நடைபெறுதல் அவசியமாகும். இருப்பினும், நோயைத் தடுக்க எடுக்க வேண்டிய முன்னெச்சரிக்கைகள் மற்றும் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகளை அதாவது சமூக விலகல், தனிப்பட்ட சுகாதாரத்தை பேணுதல், சோப்பு கொண்டு கைகளை கழுவுதல் , முகக் கவசம் அணிதல், பாதுகாப்பு ஆடை அணிதல், கருவிகள் மற்றும் இயந்திரங்களை சுத்தம் செய்தல் கட்டாயம் பின்பற்ற வேண்டும். ஆகவே வயலில் நடைபெறும் ஒவ்வொரு செயல்பாட்டிலும் விவசாயிகள் மற்றும் தொழிலாளர்கள் ஒவ்வொரு அடியிலும் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் மற்றும் சமூக தூரத்தை பின்பற்ற வேண்டும்.

- பல வட மாநிலங்களில் இயந்திரங்கள் மூலம் மேற்கொள்ளும் கோதுமை அறுவடைக் காலம் நெருங்குகிறது. மாநிலத்திற்குள்ளும் மாநிலங்களுக்கு இடையிலும் அவர்களின் இயக்கம் அனுமதிக்கப்பட்டுள்ளது. பழுது, பராமரிப்பு மற்றும் அறுவடை நடவடிக்கைகளில் ஈடுபடும் தொழிலாளர்களின் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் உறுதி செய்யப்பட வேண்டும்.
- கடுகு இரண்டாவது முக்கியமான ரபி பயிர், தற்பொழுது அறுவடை நடந்து வருகிறது மற்றும் ஏற்கனவே அறுவடை செய்யப்பட்ட பயிர் கதிரடிக்கப்பட உள்ளது.
- மேலும் பயறு, மக்காச்சோளம் மற்றும் மிளகாய் அறுவடையும் நடந்து வருகிறது
- தற்பொழுது கரும்பு அறுவடை உச்சத்தில் உள்ளது, மேலும் இது வடக்கில் கரும்பு நடவு செய்வதற்கான நேரமாகும்.
- பயிர்கள், பழங்கள், காய்கறிகள், முட்டை மற்றும் மீன்கள் அறுவடையில் ஈடுபடுவோர் அறுவடைக்கு முன்பும் அறுவடையின்போது மற்றும் அறுவடை முடிந்த பிறகும் தனிப்பட்ட சுகாதாரம் மற்றும் சமூக தூரத்துக்கான அனைத்து நடவடிக்கைகளையும் பின்பற்ற வேண்டும்.
- அறுவடை / பறிக்கும் செயல்பாடுகள் மேற்கொள்ளும் போது விவசாயிகள் / தொழிலாளர்கள் 4 முதல் 5 அடி இடைவெளிவிட்டு செயல்பாடுகளை மேற்கொள்ள வேண்டும். இது செயல்பாடுகளை மேற்கொள்பவர்களுக்கு இடையில் போதுமான இடைவெளியை உறுதி செய்யும்.
- அனைவரும் முக கவசம் அணிவது மற்றும் குறித்த இடைவெளியில் கைகளை கழுவுவதை கட்டாயம் பின்பற்ற வேண்டும்.
- விவசாய செயல்பாடுகளுக்கு இடையில் ஓய்வு எடுக்கும்போதும் உணவு உட்கொள்ளும் போதும் வேளாண் பொருட்களை சேகரிக்கும் போதும் ஏற்றி இறக்கும் போதும் பாதுகாப்பான இடைவெளியாக 3 முதல் 4 அடி இடைவெளியினை பராமரிக்க வேண்டும்.
- சாத்தியமான இடங்களில் கள செயல்பாடுகளை கால தாமதப்படுத்தி, அதிக எண்ணிக்கையிலான நபர்கள் அதே நாளில் ஈடுபடுவதைத் தவிர்க்க வேண்டும்.
- முடிந்தவரை குடும்பத்தில் உள்ளவர்கள் மற்றும் தெரிந்தவர்களை மட்டுமே ஈடுபடுத்த வேண்டும் அல்லது முறையான விசாரணைக்குப் பின்

தொழிலாளர்களை ஈடுபடுத்தலாம் இதன்மூலம் நோய் தொற்று இருப்பவர்கள் அல்லது சந்தேகத்துக்கு உரியவர்களை தவிர்க்க முடியும்.

- சாத்தியமான இடங்களில் இயந்திரங்கள் மூலம் வேளாண் செயல்பாடுகளை மேற்கொள்ளலாம். மேலும் குறைந்த எண்ணிக்கையில் மட்டுமே நபர்கள் இயந்திரத்துடன் செல்ல அனுமதிக்கப்பட வேண்டும்.
- அனைத்து இயந்திரங்களும் நுழைவு இடத்திலும் சரியான இடைவெளியிலும் சுத்தப்படுத்தப்பட வேண்டும். அனைத்து போக்குவரத்து வாகனங்கள், கோனி சாக்கு பைகள் அல்லது பிற பேக்கேஜிங் பொருட்களும் சுத்தப்படுத்தப்பட வேண்டும்.
- விளைபொருட்களை சேகரிக்கும்போது 3-4 அடி இடைவெளியில் சிறிய குவியல்கள் ஆக்கவேண்டும். கூட்டத்தைத் தவிர்ப்பதற்கு 1-2 நபர்கள்/ குவியலுக்கு என ஒதுக்கப்பட வேண்டும்.
- மக்காச்சோளம் மற்றும் நிலக்கடலை அறுவடை செய்யும் இயந்திரங்களின் துப்புரவு மற்றும் தூய்மை முறையாக பராமரிக்கப்பட வேண்டும். உழவர் குழுக்களால் இயந்திரங்கள் பகிரப்பட்டு பயன்படுத்தப்படும்போது அடிக்கடி கைகள் படும் பாகங்களில் சோப்பை கொண்டு கழுவி தூய்மை செய்ய அறிவுறுத்தப்படுகிறது.

<u>அறுவடைக்கு பிந்தைய, சேமிப்பு மற்றும் பண்ணை விளைபொருட்களின் விற்பனை:</u>

- விளைபொருட்களை உலர்த்துதல் அடித்தல் தூற்றுதல் சுத்தம் செய்தல் தரம்பிரித்தல், அடுக்குதல் மற்றும் மூட்டை பிடித்தல் ஆகிய செயல்பாடுகள் மேற்கொள்ளும்போது, முக கவசம் அணிந்து செய்வதன் மூலம் காற்றின் வழியாக தூசு, மூச்சு குழலில் சென்று சுவாச கோளாறு ஏற்படுவதை தவிர்க்க முடியும்.
- அறுவடை செய்யப்பட்ட தானியங்கள், சிறுதானியங்கள், பருப்பு வகைகள் பண்ணை வீட்டில் சேமிப்பதற்கு முன் சரியான உலர்த்தலை உறுதிசெய்செய்ய வேண்டும். பூச்சி தொற்றுநோயைத் தடுக்க முந்தைய பருவங்களில் பயன்படுத்திய சணல் பைகளை மீண்டும் பயன்படுத்த வேண்டாம். 5% வேப்பம் கரைசலில் சிகிச்சையளிக்கப்பட்ட மற்றும் உலர்த்திய பைகளை பயன்படுத்தவும்.
- உற்பத்தி செய்யப்படும் விளைபொருட்கள் சிறந்த விலை கிடைப்பதற்கு சணல் பைகளில் சேமிக்க போதுமான முன் எச்சரிக்கைகள் எடுக்கப்பட வேண்டும். விவசாயிகளுக்கு பண்ணையில் அல்லது அருகிலுள்ள குளிர் சேமிப்பகங்கள் / கோடவுன்கள் / கிடங்குகளில் போதுமான எண்ணிக்கையில் சணல் பைகளில் சேமிக்க வேண்டும்.
- பண்ணை விளைபொருட்களை ஏற்றுவதற்கும் கொண்டு செல்வதற்கும், சந்தைகள் / ஏல தளங்களில் விற்பனையில் பங்கேற்கும்போதும் போதுமான தனிப்பட்ட பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் எடுத்துக்கொள்ள வேண்டும்.
- விதை உற்பத்தியாளர் விவசாயிகளுக்கு விதைகளை துணை ஆவணங்களுடன் விதை நிறுவனங்களுக்கு கொண்டு செல்ல அனுமதி உண்டு. மேலும் அவர்கள் பணம் பெறும்போது முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.

- விதை பதப்படுத்துதல் / பேக்கேஜிங் ஆலைகள் மற்றும் விதை உற்பத்தி செய்யும் மாநிலங்களிலிருந்து (தெற்கிலிருந்து வடக்கு) கரீப் பருவ பயிர்களுக்கான விதை தேவைப்படும் மாநிலங்களுக்கு தேவையான அளவு விதை இருப்பு இருக்க வேண்டும். உதாரணமாக வடக்கில் ஏப்ரல் மாதத்தில் விதைப்பதற்கு பசுந்தீவனத்திற்கான எஸ்.எஸ்.ஜி விதை தென் மாநிலங்களிலிருந்து வருகிறது .

- தக்காளி, காலிஃபிளவர், பச்சை இலை காய்கறிகள், வெள்ளரிகள் மற்றும் பண்ணைகளிலிருந்து வரும் பிற கொடி வகை காய்கறிகள் போன்ற காய்கறிகளை நேரடியாக விற்பனை / வழங்குவதற்கு தேவையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.

<u>வயலில் வளர் நிலையில் உள்ள பயிர்கள்:</u>

- கோதுமை வளரும் பெரும்பாலான பகுதிகளின் வெப்பநிலை இன்னும் நீண்ட கால சராசரிக்குக் குறைவாகவே உள்ளது. ஏப்ரல் 10 க்கு அப்பால் குறைந்தது 10-15 நாட்களுக்கு கோதுமை அறுவடை தாமதப்படுத்தலாம், எனவே விவசாயிகள் கோதுமையை எந்தவொரு குறிப்பிடத்தக்க இழப்பும் ஏற்படாமல் ஏப்ரல் 20 வரை தாமதப்படுத்தலாம், இது கொள்முதல் தளவாடங்கள் மற்றும் தேதிகள் அறிவிப்பதற்கான போதுமான நேரத்தை அளிக்கிறது.
- தென்மாநிலங்களில் கதிர் பால் பிடிக்கும் பருவத்தில் உள்ள ரபி நெற்பயிரில் கழுத்து குலை நோய் பரவலாக காணப்படுகிறது. பரிந்துரைக்கப்பட்ட பூஞ்சைக் கொல்லி மருந்தினை தெளிக்கும் போது முறையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.
- நெல் அறுவடை கட்டத்தில் ஏதேனும் பருவ மழை பெய்தால், விதை முளைப்பதை தடுக்க 5% உப்பு கரைசலை தெளிக்கவும்.
- மாம்பழம் போன்ற பழம்தரும் கட்டத்தில் உள்ள தோட்டக்கலை பயிர்களில், நுண்ணூட்டச்சத்து அளித்தல் பயிர் பாதுகாப்பு போன்ற வயல் தொடர்பான நடவடிக்கைகளை மேற்கொள்ளும்போது அதற்கான இடுபொருட்களை கையாளுதல் தெளிப்பு செய்தல் மற்றும் அதற்கு தேவைப்படும் உபகரணங்களைத் கழுவுதல் போன்றவற்றின் முறையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை மேற்கொள்ள வேண்டும்.
- கோடை பருவத்தில் நெல் தரிசு வயலில் உள்ள பயறுவகை பயிர்களில் மஞ்சள் தேமல் நோய் வராமல் தடுப்பதற்கு முறையான வெள்ளை ஈ மேலாண்மை முறைகளை பாதுகாப்புடன் மேற்கொள்ள வேண்டும்

TELUGU

కోవిడ్-19 కారణంగా లాక్ డౌన్ సమయంలో రైతులకు మరియు వ్యవసాయ రంగానికి సంబంధించిన మార్గదర్శకాలు

భారత ప్రభుత్వ మార్గదర్శకాలు*

వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ కార్యక్రమాలు లాక్ డౌన్ నుండి మినహాయించబడినవి*

i. పశువైద్యశాలలు
ii. వ్యవసాయ ఉత్పత్తులను సేకరించే కేంద్రాలు, కనీస మద్దతు ధర కార్యకలాపాలలో సహా
iii. మార్కెట్ కమిటీల ద్వారా నడుపబడే వ్యవసాయ మార్కెట్లు లేదా రాష్ట్ర ప్రభుత్వాల ద్వారా ఆమోదించబడిన మార్కెట్లు
iv. రైతులు మరియు వ్యవసాయ కూలీల ద్వారా నిర్వహించే వ్యవసాయ పనులు
v. వ్యవసాయ యంత్రాలను సరఫరా చేసే కస్టమ్ హైర్ సెంటర్లు
vi. ఎరువులు, పురుగు మందులు మరియు విత్తనాల ఉత్పత్తి మరియు ప్యాకేజింగ్ యూనిట్లు
vii. వ్యవసాయంలో కోతలు మరియు నాటుకు/ విత్తేందుకు అవసరమైన యంత్రాలను అనగా కంబైన్డ్ హార్వెస్టర్లు మరియు ఇతర వ్యవసాయ/ ఉద్యాన పరికరాలు రాష్ట్రాల లోపల మరియు అంతరాష్ట్ర రవాణా

ఈ మినహాయింపులు రైతులకు అవసరమైన అన్ని అవసరమైన కారకాలు లభ్యమవ్వడం ద్వారా ఎటువంటి కష్టం లేకుండా వ్యవసాయ సంబంధ కార్యక్రమాలు నిరాటంకంగా నిర్వహించడానికి వెసులుబాటు కలిగిస్తుంది. దీనికి అవసరమైన మార్గ నిర్దేశకాలు సంబంధిత మంత్రిత్వ శాఖలకు/ రాష్ట్రాలకు మరియు కేంద్రపాలిత ప్రాంతాలకు లాక్ డౌన్ సమయంలో అమలుకు జారి చేయబడినది.

* (కేంద్ర హోమ్ మంత్రిత్వ శాఖ, భారత ప్రభుత్వం ద్వారా విడుదలైన సెం. 40-3/2020-డిఎం-I(ఎ) తేది: 24, 25, మరియు 27 మార్చి, 2020 అదనంగా చేర్చిన క్లాజ్ లు 2,4,5 – మరియు 6 లలో ఇవ్వబడిన మినహాయింపులు కేంద్ర వ్యవసాయ మరియు రైతు సంక్షేమమంత్రిత్వ శాఖ, భారత ప్రభుత్వం.

భారత ప్రభుత్వం వారి విధాన పరమైన మార్గ నిర్దేశకాలను అనుసరించి వివిధ మంత్రిత్వ శాఖలు మరియు రాష్ట్రాల శాఖలు అమలు చేయవలసిన మార్గదర్శకాలు వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ కార్యకలాపాలు కొనసాగేలా జారీ చేయబడినది.

రైతులకు సూచనలు:

పంట కోత మరియు నూర్పిడి:

కోవిడ్-19 ప్రబలిన ఈ సందర్భంలో, రబీ పంటలు కోత దశలో ఉన్నాయి. కోత మరియు కోత తరువాత మార్కెట్ కు తరలింపు అనేవి సమయానుకూలంగా జరుపవలసినవి కావున తప్పని సరి. కానీ, రైతులు తప్పని సరిగా వ్యాధి వ్యాప్తిని నివారించేలా తగు జాగ్రత్తలు మరియు రక్షణ చర్యలు తీసుకోవాలి. సులభమైన విధానాలైన సామాజిక దూరం పాటించడం, తరచు సబ్బుతో చేతులు కడుక్కోవడం, మాస్కులు ధరించడం, రక్షణ దుస్తులు ధరించడం, వ్యవసాయ

పరికరాలు మరియు యంత్రాల శుభ్రత, పని చేసే వారి రక్షణ మరియు సామాజిక దూరం ప్రతీ కార్యక్రమంలో క్షేత్రాలలో పాటించడం తప్పనిసరి.

- కోత పరికరాలైన కంబైన్డ్ హార్వెస్టర్లు రాష్ట్రాలలో మరియు రాష్ట్రాల వెలుపల నుండి రవాణాకు అనుమతించబడినవి. తగు రక్షణ చర్యలు వాటి రిపేరు మరియు వినియోగం సమయంలో పాటించాలి.
- మొక్కజొన్న, అపరాలు మరియు మిరప పంటల కోత సమయం ఆసన్నమైంది.
- వ్యక్తిగత శుభ్రత మరియు సామాజిక దూరం అన్ని వ్యవసాయ ఉత్పత్తులు అనగా ధాన్యం, పండ్లు, కూరగాయలు, గ్రుడ్లు, చేపలు కోత/పట్టుబడి సమయంలో పనిచేసే అందరూ తప్పని సరిగా పాటించాలి.
- కోత సమయంలో 4-5 అడుగుల దూరం ఒక భాగంగా గుర్తించి ఒక్కొక్కరు, ఒక్కొక్క భాగంలో పని చేసేలా చేయడం ద్వారా వ్యవసాయ కూలీల మధ్య సరియైన సామాజిక దూరం ఉండేలా చూడవచ్చు.
- పొలాలలో పనిచేసే ప్రతి ఒక్కరు తప్పని సరిగా మాస్కులు ధరంచడం మరియు నిర్దేశిక సమయంలో చేతులు సబ్బుతో కడుక్కోవడం తప్పనిసరిగా పాటించాలి.
- విశ్రాంతి తీసుకునే సమయంలో, భోజన సమయంలో, పంటను ఒక దగ్గరకు చేర్చే సమయంలో బండ్లలోనికి ఎత్తే సమయంలో దించే సమయంలో ఒకరికొకరు 3-4 అడుగుల దూరం తప్పని సరిగా పాటించాలి.
- సాధ్యమైంత వరకు వ్యవసాయ పనులను అవసరాన్ని బట్టి విభజించి చేయడం ద్వారా ఒకే రోజు ఎక్కువ మంది కూలీలను పెట్టకుండా నివారించాలి.
- వ్యవసాయ పనులకు తెలిసిన వారిని మాత్రమే వినియోగించడంతో పాటు వారి ఆరోగ్య పరిస్థితిని విచారించి తగు జాగ్రత్తలు పాటించాలి.
- వీలైనంత వరకు యంత్రాలను వినియోగించాలి, అవసరం మేరకు మాత్రమే వ్యవసాయ కూలీలను యంత్రాలతో పాటు వినియోగించాలి.
- అన్ని రకాల యంత్ర పరికరాలను క్షేత్రంలో వాడకానికి ముందు వాడే సమయంలో పూర్తిగా శుభ్రపరచాలి. అన్ని రవాణా వాహనాలు, సంచులు మరియు ఇతర ప్యాకింగ్ సామాగ్రి శుభ్రపరచాలి.
- పంటను కోత అనంతరం చిన్న చిన్న కుప్పలుగా 3-5 అడుగుల దూరంలో పోగుచేయడం ద్వారా కుప్పకు ఒకరి చొప్పున నిలబడి ఇతర కార్యక్రమాలు నిర్వహించేలా చర్యలు చేపట్టాలి.
- వేరుశనగ మరియు మొక్కజొన్న త్రెషర్లు వంటి యంత్రాలను ఒకరైతునుండి ఇంకొక రైతుకు మార్పిడి చేసుకునేటప్పుడు శుభ్రం చేసి వినియోగించాలి, ముఖ్యంగా యంత్రంలో తరచూ ముట్టుకునే భాగాలను సబ్బుతో విధిగా శుభ్రం చేయాలి.

పంట కోత అనంతరం, నిల్వ మరియు మార్కెటింగ్:

- పంటను ఎండబెట్టేటప్పుడు, నూర్పిడి, తూర్పార పట్టడం, శుభ్రం చేయడం, గ్రేడింగ్, ప్యాకింగ్ వంటి కార్యక్రమాలు చేసే టప్పుడు మాస్కులు ధరించడం ద్వారా శ్వాస సంబంధమైన ఇబ్బందులు రాకుండా నియంత్రించవచ్చు.
- ధాన్యాలు, చిరుధాన్యాలు, అపరాల వంటివి గృహ/ క్షేత్రస్థాయిలో నిల్వ ఉంచేటప్పుడు సరిగా ఎండబెట్టాలి. నిల్వకొరకు పాత గోనె సంచులను వాడడం వలన పురుగు వ్యాపిస్తుంది కనుక గోనె సంచులను 5% వేప ద్రావణంలో ముంచి ఎండబెట్టి వినియోగించాలి.
- పంటను క్షేత్రస్థాయిలో నిల్వకు తగినన్ని గోనె సంచులను వినియోగించాలి లేదా దగ్గరలోని కోల్డ్ స్టోరేజీలు/ గోదాములు/ గిడ్డంగులు వినియోగించి సరియైన ధర వచ్చిన తరువాత అమ్మేట్టు చర్యలు చేపట్టాలి.
- రైతులు పంటను లోడింగ్ చేసేటప్పుడు, రవాణా సమయంలో, మార్కెట్లలో అమ్మేటప్పుడు మరియు ఆక్షన్ ప్లాట్ ఫారంల వద్ద తగు వ్యక్తిగత సంరక్షణ చర్యలు పాటించాలి.
- విత్తన ఉత్పత్తి చేసే రైతులు పంటను విత్తన కంపెనీలకు రవాణా చేయడానికి తగు పత్రాలు చూపి రవాణా చేసుకోవచ్చు. విధిగా తగు సంరక్షణ చర్యలు చేపట్టాలి మరియు వారినుండి నగదు పోందే విషయంలో జాగ్రత్తలు పాటెంచాలి.
- విత్న శుద్ధి/ప్యాకింగ్ ప్లాంట్లు మరియు రాష్ట్రాల మధ్య విత్తన రవాణాకు అనుమతించబడినది. దీని ద్వారా ఖరీఫ్ సాగుకు అవసరమైన విత్తనాల కొరత లేకుండా చూడడం అత్యంత ఆవశ్యం.
- కూరగాయలైన టమాట, కాలీఫ్లవర్, ఆకుకూరలు, తీగజాతి కూరగాయలు వంటివి నేరుగా మార్కెటింగ్ చేసే సమయంలో తగు జాగ్రత్తలు పాటించాలి.

ఎదుగుదల దశలో ఉన్న పంటలు:

- రబీ వరి గింజపాలుపోసుకునే దశలో ఉన్న దక్షిణాది రాష్ట్రాలలో మెడ విరుపు తెగులు అధికంగా నష్టపరిచే అవకాశం ఉంది. కావున అవసరమైన శీలీంధ్ర నాశినులను రైతులు పిచికారి చేయాలి.
- వరి కోతల సమయంలో అకాల వర్షం వస్తే 5% ఉప్పు నీటి ద్రావణాన్ని పిచికారి చేయడం ద్వారా మొలక రాకుండా నివారించాలి.
- మామిడి వంటి ఉద్యాన పంటలలో తోటలలో పోషకాల పిచికారి సస్యరక్షణ చర్యలు చేపట్టే సమయంలో కారకాల వినియోగం, కలపడం, వేయడంలో సంరక్షణ చర్యలను పాటించాలి మరియు పరికరాల కడగడం వంటివి పాటించాలి.
- వరి పొలాలలో వేసవి పంటగా అపరాలు సాగు చేసే ప్రాంతాలలో తెల్లదోమకు సరియైన యాజమాన్యం పాటించడం ద్వారా పల్లాకు తెగులును నివారించాలి.